लखनऊ

रविवार, 28 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 302

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सपनों की उड़ान वही भरते हैं, जिनके पंख हौसलों से बने होते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

टीईटी परीक्षा से ठीक पहले पेपर लीक, महाराष्ट्र में परीक्षा स्थगित, जांच जारी

पटना, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से कथित तौर पर लीक हो जाने के बाद टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 को स्थगित कर दिया है। टीईटी परीक्षा महाराष्ट्र के 1,028 केंद्रों पर 28 जून को होनी थी। लेकिन, परीक्षा से पहले ही कुछ सवाल लीक होने के सबूत मिलने के बाद अब परीक्षा का समय बदल दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के निदेशक नंदकुमार बेडसे के अनुसार, पुलिस को 27 जून की सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास टीईटी का प्रश्न-पत्र है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए भिवंडी पुलिस ने छापा मारा और उस जगह से मिली सामग्री की जांच के लिए परीक्षा परिषद के अधिकारियों को बुलाया। जांच-पड़ताल के दौरान अधिकारियों को पता चला कि ज़ब्त किए गए दस्तावेज़ों में से कुछ सवाल असल टीईटी 2026 प्रश्न-पत्र से मेल खाते थे। इस बात का पता चलने के बाद, एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया और जांच चल रही है।

एग्जामिनेशन काउंसिल ने कहा कि NEET 2026 परीक्षा में सामने आई गड़बड़ियों को ध्यान में रखते हुए, टीईटी की तैयारी के दौरान कई सुरक्षा उपाय किए गए थे। हालांकि, पेपर लीक होने के शक के बाद, अधिकारियों ने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए परीक्षा को टालने का फैसला किया। काउंसिल ने एक बयान में कहा कि परीक्षा का समय इसलिए बदला गया है क्योंकि इसकी विस्तृत जांच ज़रूरी थी और वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हो। परीक्षा की नई तारीख की घोषणा बाद में महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर की जाएगी।

यूएनएससी में भारत का कड़ा संदेश : बच्चों और स्कूलों पर हमले करने वालों को हर हाल में सजा मिले

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा तब तक अधूरी है, जब तक स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाने वालों को उनके अपराधों के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। भारत ने जोर देकर कहा कि दंड से बचने की मानसिकता खत्म करने के लिए दोषियों को कानून के दायरे में लाना आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने सुरक्षा परिषद की खुली चर्चा 'सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित बच्चों की शिक्षा की रोकथाम और सुरक्षा को मजबूत बनाना : नीतिगत प्रतिबद्धताओं से प्रभावी क्रियान्वयन तक' विषय पर भारत का पक्ष रखा। हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि शिक्षा ऐसा मौलिक अधिकार है, जो युद्ध और संघर्ष जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थायी शांति की सबसे मजबूत नींव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है और भारत सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा तथा उनके शिक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब उसके साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। जो लोग बिना किसी डर के स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाते हैं, उन्हें हर हाल में कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए।

राम मंदिर से लेकर दिव्य कुंभ तक, सीएम योगी ने गोरखपुर में बताया यूपी विकास का नया अध्याय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर में चोरी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में कहा कि कोई कल्पना करता था, कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि का विवाद समाप्त हो पाएगा? आज अयोध्या में प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है। लाखों श्रद्धालु अयोध्या धाम में आ रहे हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो गया है। विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी धाम का निर्माण हो गया है। हजारों सालों से चली आ रही कुंभ की परंपरा, आप देख रहे होंगे, कुंभ हजारों वर्षों से हो रहे हैं, लेकिन दिव्य और भव्य कुंभ भी हो, ये पहली बार हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि कुंभ स्वच्छ भी हो, स्मार्ट भी हो, ये पहली बार हो रहा है। पिछली सरकारों ने कुंभ को भगदड़ का, कुंभ को अव्यवस्था का, कुंभ को अराजकता का, कुंभ को गंदगी का पर्याय बना दिया था, और इसीलिए दुनिया के अंदर एक धारणा बन चुकी थी कि कुंभ का मतलब गंदगी, कुंभ का मतलब भगदड़। सीएम ने कहा कि उस धारणा को बदला है, ये तब बदली है जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है।

'25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम वर्ग में आ गए'

दो दिन के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा-अभियान 2026' के उद्घाटन पर CM योगी आदित्यनाथ ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमने पिछले 12 सालों में बदलते भारत को देखा है। किसने सोचा था कि 12 करोड़ गरीब लोगों के घरों में शौचालय बनेंगे, या प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए 4 करोड़ गरीब परिवारों को सिर पर छत मिलेगी? अब लाखों लोगों को घरों में लगे नलों से साफ पीने का पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 50 करोड़ गरीब लोगों को आयुष्मान भारत योजना का फायदा मिल रहा है और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। यही जन-कल्याणकारी सोच है जिसकी वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम वर्ग में शामिल हो पाए हैं और भारत की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से हिस्सा ले पा रहे हैं। हम पूरे देश को एक साझा विचारधारा के तहत एकजुट कर रहे हैं और अपने मूल्यों को भारत की मूल भावना, उसकी विचारधारा और उसकी विरासत के साथ जोड़ रहे हैं।"

इसरो ने रचा नया कीर्तिमान

सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का हाई थ्रस्ट हॉट टेस्ट सफल

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (PHTA) का अब तक के सबसे अधिक थ्रस्ट लेवल पर सफल हॉट टेस्ट पूरा कर लिया है। इसरो के अनुसार, यह परीक्षण 24 जून 2026 को तमिलनाडु स्थित महेंद्रगिरि के इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में 175 टन थ्रस्ट लेवल पर किया गया। इसरो ने बताया कि पीएचटीए के साथ किया गया यह आठवां हॉट टेस्ट था। पावर हेड टेस्ट आर्टिकल में थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर इंजन के सभी प्रमुख सिस्टम शामिल होते हैं। इस परीक्षण का उद्देश्य प्री-बर्नर इग्निशन के बाद दबाव में होने वाली बढ़ोतरी का अध्ययन करना और अधिक थ्रस्ट लेवल पर इंजन की स्थिर कार्यक्षमता का प्रदर्शन करना था। इससे पहले पीएचटीए के हॉट टेस्ट 94 टन (47 प्रतिशत) और 120 टन (60 प्रतिशत) थ्रस्ट लेवल पर किए जा चुके थे। इस बार पहली बार इसे 175 टन (88 प्रतिशत) थ्रस्ट लेवल पर सफलतापूर्वक संचालित किया गया। परीक्षण के दौरान मुख्य टर्बोपंप ने 400 और 500 बार आउटलेट प्रेशर पर भी सफल संचालन का प्रदर्शन किया। इसरो के मुताबिक, परीक्षण के दौरान इंजन के सभी पैरामीटर अपेक्षा के अनुरूप रहे और पूरा टेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सफल परीक्षण से इसरो को 200 टन (100 प्रतिशत) थ्रस्ट लेवल पर इंजन पावर हेड की स्थिर कार्यक्षमता का भरोसा मिला है। साथ ही, यह उपलब्धि स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

'चंपत राय से बड़ा भ्रष्ट कोई नहीं', दिग्विजय का निशाना, कहा- 12 करोड़ लोगों के चंदे का कोई हिसाब नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। सत्ता पक्ष इस मामले को लेकर लगातार केंद्र और राज्य सरकार पर हमलावर है। इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर जमकर निशाना साधा। जानकारी के मुताबिक दिग्विजय सिंह शनिवार (27 जून) को उज्जैन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकाल मंदिर के दर्शन किए और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात। इसके साथ ही उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। मीडिया से बात करते हुए राम मंदिर में हुए चंदा चोरी को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने चंपत राय सहित कई मुद्दों पर खुलासे किए। सिंह से इस घटना की निंदा करते हुए इसे बेहद दुखद बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले और आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में घोटाला हो रहा। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर तीखा हमला करते हुए कहा कि चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के मंदिर में जमकर चंदा चोरी की गई। लगभग साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया। वहीं पहले दिए चंदे का आज तक कोई हिसाब नहीं। उन्होंने कहा कि शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपए दिए और चांदी की शिलाएं दी उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला। सिंह ने कहा कि यह RSS मॉडल ऑफ गवर्नेंस है। उन्होंने आरोप लगाया कि RSS और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कोलंबिया के राष्ट्रपति चुनावों में जीत पर एबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला को बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोलंबियाई राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला की जीत पर उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कोलंबिया के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत महत्व देता है, जो सभी क्षेत्रों में लगातार सुदृढ हो रही है। मोदी ने आगे कहा, मैं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि कोलंबियाई राष्ट्रपति चुनावों में आपकी जीत पर एबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला को हार्दिक बधाई। भारत कोलंबिया के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को महत्व देता है, जो सभी क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रही है। मैं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड पर धीरेंद्र शास्त्री का तीखा बयान, कहा- 'रावण आज भी हैं, बस...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे सिर्फ पैसे की चोरी नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया।

धीरेंद्र शास्त्री ने साफ कहा कि भगवान के नाम पर आने वाले चढ़ावे में गड़बड़ी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, "ऐसे लोगों को उनके कर्मों का दंड अवश्य मिलेगा। यह श्रद्धा की चोरी है और ऐसा करने वालों को भगवान महादंड देंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच जारी है और सच सामने आना बहुत जरूरी है। धीरेंद्र शास्त्री ने याद दिलाया कि करोड़ों लोगों ने भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण और सेवा के लिए श्रद्धापूर्वक दान दिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता या चोरी हुई है, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद देशभर से आ रही प्रतिक्रियाएं

राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान भी चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण और सेवा के लिए श्रद्धापूर्वक दान दिया है। ऐसे में यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्टाचार हुआ है, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है, ताकि लोगों का विश्वास बना रहे।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर, पिता और पुत्र की मौत

आर्यावर्त क्रांति

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तेज रफ्तार से आ रही कार से टकराया और कार के नीचे दब गए। कार भी अनियंत्रित होकर हाईवे पर ही पलट गई। बाइक सवार दंपति और 2 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां पिता पुत्र की मौत हो गई। मां बेटे की हालत गंभीर है। मामला थाना हापुड़ देहात क्षेत्र का है। गाजियाबाद के बम्हेटा निवासी (35) विनोद उर्फ बबली पुत्र खेमचंद अपनी पत्नी शालू (30) और बेटे वरुण (7) और प्रियांश (5) के साथ गाजियाबाद की तरफ जा रहे थे। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के टियाला अंडरपास से ततारपुर की तरफ हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक एक कार से टकरा गई और कार अनियंत्रित होकर पलट गई। दंपत्ति सहित चारों बाइक सवार कार के नीचे दब गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दंपति सहित चारों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां वरुण (7) को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत के चलते विनोद उर्फ बबली को मेरठ रेफर कर दिया गया। शालू और प्रियांशु को खरखौदा के एनसीआर मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया। वहीं मेरठ के मेडिकल कॉलेज में विनोद उर्फ बबली की भी मौत हो गई। शालू और प्रियांशु की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

घर खरीदार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अब कब्ज़ा मिलने के बाद भी बिल्डर देगा मुआवज़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। फ़्लैट का कब्ज़ा लेने के बाद भी घर खरीदार, सर्विस में कमी के लिए रियल एस्टेट कंपनियों के ख़िलाफ़ शिकायत कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर खरीदार, फ़्लैट का कब्ज़ा लेने के बाद भी, कब्ज़ा मिलने में हुई देरी के लिए मुआवज़ा पाने के लिए डेवलपर्स के ख़िलाफ़ कंज्यूमर फ़ोरम में जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि फ़्लैट का कब्ज़ा लेने के बाद घर खरीदार 'कंज्यूमर' नहीं रह जाता और देरी के लिए मुआवज़ा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि घर खरीदार और रियल एस्टेट कंपनी के बीच हुए एग्रीमेंट में मौजूद आर्बिट्रेशन क्लॉज़ (मध्यस्थता की शर्त) खरीदार को अपनी शिकायतें लेकर कंज्यूमर फ़ोरम में जाने से नहीं रोक सकता।

NCR के द्वारका में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ़्लैट का कब्ज़ा मिलने के बाईस साल बाद, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने फ़्लैट सौंपने में हुई देरी के लिए मुआवज़ा मांगने की खरीदार की याचिका को मंज़ूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि NCDRC का तर्क सही नहीं ठहराया जा सकता। अपीलकर्ता की शिकायत सिर्फ़ कब्ज़ा पाने के बारे में नहीं थी। उसकी शिकायत यह थी कि फ़्लैट का कब्ज़ा सौंपने में देरी हुई थी और वह इस देरी के लिए मुआवज़े का हकदार था। कब्ज़ा मिलने में देरी के लिए मुआवज़े का दावा असल में कब्ज़ा मिलने से पहले की अवधि से ही पैदा होता है। बाद में कब्ज़ा मिल जाने से, कथित देरी के लिए मुआवज़े के दावे पर फ़ैसला पाने का अलॉटी (आवंटी) का अधिकार अपने-आप खत्म नहीं हो जाता। बेंच ने घर खरीदार की ओर से ज़िला उपभोक्ता फोरम में 2005 में दायर शिकायत को फिर से शुरू किया और फोरम से कहा कि वह एक साल के अंदर यह तय करे कि क्या कोई देरी हुई थी।

बेंच ने फोरम से यह भी कहा कि वह तय करे कि क्या ऐसी देरी के लिए प्रतिवादी ज़िम्मेदार था, क्या अपीलकर्ता ने बिना किसी शर्त के कब्ज़ा स्वीकार किया था, और क्या कोई मुआवज़ा दिया जाना चाहिए। कब्ज़ा सौंपने में कथित देरी के कारण मुआवज़े के लिए अपीलकर्ता के दावे को सबूतों के बाद न तो स्वीकार किया गया और न ही खारिज किया गया। इसी तरह, प्रतिवादी सोसाइटी के बचाव पक्ष की भी मेरिट के आधार पर जांच नहीं की गई है। इन मुद्दों को शुरुआती स्तर पर ही यह कहकर खत्म नहीं किया जा सकता था कि अपीलकर्ता अब उपभोक्ता नहीं रहा क्योंकि शिकायत दर्ज करने से पहले ही कब्ज़ा सौंप दिया गया था। ऐसी परिस्थितियों में, इस अदालत के लिए पक्षों के बीच तथ्यात्मक विवाद पर कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इस बात पर फैसला करते हुए कि किसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए – समझौते में आर्बिट्रेशन क्लॉज़ या उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम – बेंच ने कहा कि 1986 का अधिनियम उपभोक्ताओं के लिए एक विशेष और अतिरिक्त उपाय बनाता है और इस तरह मिले अधिकार क्षेत्र को केवल पक्षों के बीच आर्बिट्रेशन समझौते का हवाला देकर खत्म नहीं किया जा सकता।

चिंताजनक

रसायनों का अधिक सेवन उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों के खतरे को बढ़ा सकता

डिब्बा बंद खाने में मिलाए जा रहे रसायन, बढ़ रहा दिल की बीमारियों का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिब्बा बंद खाने को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए मिलाए जाने वाले प्रिजरवेटिव्ज दिल को खोखला कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों के साथ इन प्रिजरवेटिव्स का अधिक सेवन उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों के लिए बड़ा खतरा है। यह खुलासा फ्रांस में 1.12 लाख लोगों पर किए गए अध्ययन में किया गया है।

शोधकर्ताओं ने यह विश्लेषण किया कि प्रतिभागी किन खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं और उनमें कौन-कौन से प्रिजरवेटिव्ज मौजूद हैं। इसके बाद करीब सात से आठ वर्षों तक प्रतिभागियों के स्वास्थ्य पर नजर रखी गई। इस दौरान यह दर्ज किया गया कि किन लोगों में उच्च रक्तचाप, हार्ट अटैक, स्ट्रोक या एंजाइना जैसी हृदय संबंधी समस्याएं विकसित हुईं।

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार लगभग सभी प्रतिभागी किसी न किसी प्रकार के खाद्य प्रिजरवेटिव्स के संपर्क में थे। अध्ययन के शुरुआती दो वर्षों के दौरान करीब 99 प्रतिशत प्रतिभागियों ने ऐसे प्रिजरवेटिव्ज वाले खाद्य पदार्थों का सेवन किया था। जिन लोगों ने कुछ विशेष प्रिजरवेटिव्ज का सबसे अधिक सेवन किया, उनमें उच्च रक्तचाप होने का खतरा लगभग 29 प्रतिशत अधिक था। वहीं हृदय रोगों का खतरा भी करीब 16 प्रतिशत तक बढ़ा हुआ पाया गया। विश्लेषण में सोडियम नाइट्राइट, पोटैशियम सोर्बेट और कुछ सल्फाइट यौगिकों को विशेष रूप से अधिक जोखिम से जुड़ा पाया गया। इसके अलावा एंटीऑक्सिडेंट श्रेणी के कुछ प्रिजरवेटिव्ज के अधिक सेवन और रक्तचाप बढ़ने के बीच भी संबंध देखा गया।

ताजा और कम प्रोसेस्ड भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह

अध्ययन के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि अत्यधिक प्रोसेस्ड और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं हो सकता। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सामान्य तौर पर ताजा, कम प्रोसेस्ड और घर में तैयार भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं।

चयापचय प्रणाली हो सकती है प्रभावित

शोधकर्ताओं के अनुसार यह अध्ययन इस विषय को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक कदम है। उनका कहना है कि अभी और प्रयोगात्मक अनुसंधान की आवश्यकता है, क्योंकि यह अध्ययन अवलोकन आधारित है और इससे प्रत्यक्ष कारण-परिणाम संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता। शोधकर्ताओं का मानना है कि कुछ प्रिजरवेटिव्ज शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ा सकते हैं या चयापचय प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे लंबे समय में हृदय स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अवलोकन आधारित अध्ययन किसी बीमारी का प्रत्यक्ष कारण सिद्ध नहीं करते। जो लोग अधिक प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खाते हैं, उनकी जीवनशैली भी कई मामलों में अलग हो सकती है। कम शारीरिक गतिविधि, अधिक नमक और वसा का सेवन तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी आदतें भी हृदय रोग के जोखिम को प्रभावित कर सकती हैं।

अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था का उच्चस्तरीय आकलन

श्रीनगर। आगामी 3 जुलाई से प्रारंभ होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा-2026 को लेकर सुरक्षा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि शनिवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचेंगे, जहां वे यात्रा मार्गों तथा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य तैयारियों का व्यापक जायजा लेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, सीडीएस श्रीनगर स्थित 15 कोर मुख्यालय में परिचालन तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की तैनाती, घुसपैठ रोकने के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों तथा मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करेंगे। सीडीएस का पदभार संभालने के बाद यह उनका जम्मू-कश्मीर का पहला आधिकारिक दौरा है।

यूपी में महताब हुआ ढेर: 12 साल के बच्चे का कत्ल, 10 साल की उम्र में पहले मर्डर से अपराध की शुरुआत

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। दो किसान भाइयों से मोबाइल फोन और नकदी लूटकर भाग रहे बदमाशों से शामली की आदर्श मंडी और कांधला थाना पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इसमें कुख्यात मुकीम काला गैंग का हिस्ट्रीशीटर बदमाश महताब मारा गया, जबकि उसका साथी मौके से भाग गया। महताब पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के दौरान आदर्श मंडी थाने के दरोगा दीपचंद हाथ में गोली लगने से घायल हुए।

मारे गए बदमाश के कब्जे से किसान से लूटा गया मोबाइल, नकदी व बाइक की चाबी के अलावा नौ एमएम पिस्टल, कार्बाइन, 13 कारतूस, आठ खोखे और बिना नंबर की बाइक बरामद हुई।

एसपी एनपी सिंह ने बताया कि 26 जून की रात करीब तीन बजे बाबरी क्षेत्र के गांव हाथी करौदा निवासी नरेंद्र अपने भाई नरेशपाल के साथ बाइक से आदर्श मंडी थानाक्षेत्र के गांव जलाल खेतों में पानी लगाने जा रहे थे। आदर्श मंडी क्षेत्र में मुजफ्फरनगर हाईवे पर गांव जलालपुर कट पर बाइक सवार दो बदमाशों ने तमंचा दिखाकर किसान भाइयों से बाइक की चाबी, मोबाइल फोन व करीब 200 रुपये लूट लिए थे। विरोध करने पर बदमाश फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए।

पीड़ित किसानों ने आदर्श मंडी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए बदमाशों का पीछा किया। एसपी ने बताया कि जिले में चेकिंग के दौरान कांधला क्षेत्र में खंदरावली पुलिया के निकट आदर्श मंडी और कांधला पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में 50 हजार रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर बदमाश महताब निवासी मोहल्ला आलकला कैराना घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश खेतों में घुसकर मौके से भाग गया। मुठभेड़ के दौरान दरोगा दीपचंद हाथ में गोली लगने से घायल हुए।

दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने महताब को मृत घोषित कर दिया। महताब 2017 के बाद सहारनपुर में रह रहा था। एसपी के मुताबिक महताब मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। उस पर जनपद शामली, सहारनपुर व पानीपत (हरियाणा) में लूट, डकैती, हत्या व रंगदारी के करीब 47 मामले दर्ज हैं।

वह कैराना थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश था, जिसका एचएस नंबर 349 ए है। महताब एक मार्च को शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव लिसाढ़ के जंगल में थानाभवन शुगर मिल के सहायक प्रबंधक अरविंद कुमार से मोबाइल फोन व पांच हजार रुपये और हरियाणा में तैनात महिला आरक्षी ज्योति मलिक से कान के कुंडल, नाक की बाली व अंगूठी लूटने के मामले में वांछित चल रहा था।

इस मामले में डीआईजी स्तर से उस पर 50 हजार रुपये का इनाम इनाम घोषित किया गया था। एसपी का कहना है कि मौके से भागे महताब के साथी बदमाश की तलाश की जा रही है।

पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक हुआ महताब

कांधला क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में मारे गए 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश महताब बेचैन को देर शाम कैराना की टीचर्स कॉलोनी स्थित पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब छह बजे उसका जनाजा आवास से रवाना हुआ। कब्रिस्तान में शव को सुपुर्दे खाक किया गया।

10 साल में हत्या से हुई अपराध की शुरुआत

मुठभेड़ में मारा गया महताब उर्फ बेचैन बचपन से ही शातिर दिमाग का था। बचपन में उसका खौफनाक चेहरा उस समय सामने आया था जब उसने 10 साल की उम्र में 12 साल के किशोर की हत्या कर अपराध की दुनिया में कदम रखा था। उस पर करीब 47 मुकदमे दर्ज हैं।

उत्तर प्रदेश में शामली व आसपास के जनपदों और हरियाणा में हत्या, लूट, रंगदारी, जानलेवा हमला करने की वारदातों को अंजाम देकर महताब का आतंक था। पुलिस महताब के कर्नाटक कनेक्शन को भी खंगाल रही है।

कैराना निवासी कुख्यात बदमाश महताब का शुरू से ही शातिर अपराधी रहा है। वह बसों व बाजारों में लोगों की जेब काटने और नकबजनी करते हुए कुख्यात अपराधी बना। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि महताब ने वर्ष 2000 में मोहल्ला शेखबद्दा कैराना निवासी रहीसुद्दीन के बेटे 12 वर्षीय आरिफ की हत्या की थी। फिर वर्ष 2009 में हरियाणा के राणा माजरा निवासी अफसर की गांव नवादा के निकट रोड होल्डअप के दौरान गोली मारकर हत्या की थी। इसके बाद वह कर्नाटक भाग गया था, जहां से हरियाणा की पानीपत पुलिस उसे गिरफ्तार कर हवाई जहाज से वापस लाई थी।

एक घंटे बाद 12 किमी दूर पुलिस की एक गोली से ढेर हुआ महताब

शामली की आदर्श मंडी क्षेत्र में हाईवे पर जलालाबाद कट पर दो किसान भाइयों से लूट करने के बाद बदमाश अपनी बिना नंबर की बाइक से भाग निकले। एक घंटे बाद ही पुलिस के साथ मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश एक गोली लगने से ढेर हो गया। लूट की वारदात करने के बाद बदमाश बाइक से 12 किलोमीटर दूर कांधला क्षेत्र में खंदरावली पुलिया के पास नलकूप पर पहुंचे थे।

जिले की पुलिस बदमाशों की तलाश में लगी थी। इसी बीच कांधला व आदर्श मंडी पुलिस का बदमाशों से आमना सामना हो गया। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। बदमाशों की तरफ से 12 से ज्यादा राउंड गोली चलाई गई।

12 साल के बच्चे की घर से बुलाकर महताब ने की थी हत्या

पुलिस मुठभेड़ में मारे गए महताब ने 25 साल पहले कस्बा कैराना के मोहल्ला शेख बद्दा निवासी रहीसुद्दीन पहलवान के 12 वर्षीय बेटे आरिफ की जगनपुर रोड स्थित भगत की कोठी के पास नलकूप पर हत्या की थी। महताब के मारे जानने पर आरिफ के बीमार पिता रहीसुद्दीन पहलवान ने बताया कि उस दिन उनका बेटा आरिफ स्कूल से घर आया था। महताब व अन्य दो किशोर आरिफ को घर से बुलाकर ले गए थे। आरोपियों ने उनके बेटे की उसी के जारबंद नाड़े से गले में फंदा लगाकर हत्या कर दी थी। रातभर उन्होंने अपने बेटे की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका था।

अंबेडकर होर्डिंग लगाने को लेकर दो पक्ष भिड़े, पुलिस ने संभाला मोर्चा

सुल्तानपुर। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर उत्तरी (महादेवा) गांव में शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर का होर्डिंग लगाने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद कहासुनी और मारपीट में बदल गया, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक जारी रही। हालात को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। बाद में कोतवाल और क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। विवादित होर्डिंग हटवाकर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया। क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर ने बताया कि बिजली के खंभे पर पोस्टर लगाने को लेकर दो विजातीय पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

दिशा बैठक में विकास पीछे, राम मंदिर चंदा विवाद आगे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दिशा समिति की बैठक विकास योजनाओं की समीक्षा से ज्यादा राजनीतिक तकरार और सवालों के लिए चर्चा में रही। कलेक्ट्रेट सभागार में राम मंदिर चंदा प्रकरण ने ऐसा राजनीतिक ताप बढ़ाया कि विकास एजेंडा पीछे छूटता दिखा।

अमेठी सांसद केएल शर्मा ने तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि सिर्फ कठपुतलियां पकड़ी गई हैं, जांच असली जिम्मेदारों तक पहुंचनी चाहिए। वहीं सांसद रामभुआल निषाद ने जिले की बदहाल बिजली व्यवस्था और जल जीवन मिशन की सुस्त रफ्तार पर जवाब मांगा। बैठक में भाजपा एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने साफ कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्ट में रामलला के वंशजों और मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों को जगह मिलनी चाहिए। सबसे ज्यादा चर्चा भाजपा के चारों विधायकों की गैरहाजिरी को लेकर रही। बैठक खत्म हुई लेकिन सवाल हवा में तैरते रहे। क्या यह सिर्फ संयोग था या सियासी संदेश? इस पर एमएलसी देवेंद्र सिंह ने भी जिम्मेदारी विधायकों पर छोड़ते हुए कहा कि सही जवाब वही दे सकते हैं। दिशा की बैठक में दिशा कम और राजनीतिक संकेत ज्यादा दिखाई दिए।

हत्या और लूट को बनाया पेशा, 12 साल जेल के बाद भी नहीं छूटा जरायम का साथ, एसटीएफ ने किया बदमाश का अंत

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजधानी लखनऊ में यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में अंबेडकरनगर निवासी बदमाश संजय उर्फ संजीव मारा गया। इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसने वर्ष 2011 में अयोध्या के दिलीप वर्मा के साथ मिलकर ताबड़तोड़ लूट व हत्याएं की थीं।

जिले के अकबरपुर व महरुआ में लूट व तीन हत्याएं करके जरायम की दुनिया में अपना डंका बजाया। करीब 11 साल तक जेल में निरुद्ध रहने के बाद बाहर आया तो फिर से अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया। साथ ही प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करने लगा। एनकाउंटर के बाद मृतक के पिता व भाई झूठा फंसाने की दलील दे रहे हैं।

ससुराल में बीतता था अधिकांश समय

मूलरूप से अहिरौली थाना क्षेत्र के चककोडार गांव निवासी संजय उर्फ संजीव के विरुद्ध महरुआ में हत्या, लूट के दो व अकबरपुर में एक मामला दर्ज है। वह लगभग 12 वर्षों तक जेल में भी रहा। जेल से रिहा होने के बाद करीब तीन वर्षों से गांव में रह रहा था। हालांकि, उसका अधिकांश समय गोसाईगंज क्षेत्र के वंदनपुर स्थित अपनी ससुराल में बीतता था।

बताया जा रहा है कि जेल से छूटने के बाद उसने फिर अपराध की दुनिया में जोर आजमाइश शुरू कर दी थी। एनकाउंटर की खबर अहिरौली पुलिस ने परिजनों को दी तो गांव में मातम पसरा गया। पिता हरिराम और भाई राज बब्बर ने कहा कि संजय इस समय प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ चीनी मिल में पगास की ढुलाई का काम कर रहा था।

पिता-भाई बोले- इस बार झूठा फंसाया गया

परिजनों का कहना है कि संजय अब परिवार के भरण पोषण की ओर ध्यान दे रहा था। 21 अप्रैल को बहन रूपा की शादी में शरीक हुआ था। करीब 15 दिन से उसका फोन बंद आ रहा था। उसकी तलाश के प्रयास किए जा रहे थे। आरोप है कि संजीव को इस बार झूठा फंसाया गया है।

थाना समाधान दिवस से राजस्व विभाग बना उदासीन, नहीं पहुंचे लेखपाल

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। शासन द्वारा आम जनमानस की समस्या के सुलभ निस्तारण के लिए चलाए जा रहे थाना समाधान दिवस से राजस्व महकमा उदासीन बना हुआ है। फरियादी शिकायती प्रार्थना पत्र लेकर थाने तक तो पहुंचते है लेकिन मौके पर राजस्व लेखपालों की मौजूदगी न होने से उनका समाधान दिवस नहीं हो पाता।

शनिवार को स्थानीय थाने पर सुबह 10 बजे से समाधान दिवस का आयोजन हुआ। समाधान दिवस में प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव फरियादियों की समस्या की सुनवाई कर रहे थे। लेकिन राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौजूद नहीं रहा है। करीब 12 बजे समाधान दिवस में पहुंचे राजस्व निरीक्षक अलीगंज आईपी सिंह से जब थाना प्रभारी ने अन्य लेखपाल व राजस्व निरीक्षक के बारे में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि अब कोई भी कर्मचारी नहीं आएगा सभी लोग फील्ड में लगे है। माह भर में दो बार होने वाले थाना समाधान दिवस में जो भी फरियादी राजस्व की समस्या के निस्तारण कराने की आस लगाए आए थे उन्हें निराशा के साथ प्रार्थना पत्र देकर वापस लौटना पड़ा।जबकि शासन की प्राथमिकता है कि गांव के गरीब व पीड़ति जनता की समस्या के निराकरण के लिए थाना समाधान दिवस आयोजित किया जाए लेकिन विभागीय कर्मियों की उदासीनता के चलते फरियादी कई कई बार शिकायती पत्र लेकर थाने पहुंचते है। थाना क्षेत्र के उत्तरगाव निवासी राधेश्याम ने बताया कि जमीनी विवाद में पिछले थाना दिवस को प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन कोई भी राजस्व कर्मी उनके प्रार्थना पत्र के निस्तारण के लिए नहीं पहुंचा। तथा कोटवा गांव निवासी अजरुल निशा ने बताया कि उसके दरवाजे पर गांव का वह व्यक्ति गोबर फेंक रहा है जिसका घर 200 मीटर दूर है।

प्रेमी के लिए मासूम का कत्ल!: 13 साल पहले मीनू ने सुरेंद्र से की थी लव मैरिज, पति को छोड़ किराये पर रहती थी वो

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मूंढापांडे में पति से अलग किराये के मकान में रह रही महिला के दो साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की दादी, ताऊ और पिता ने मां पर ही हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से पोस्टमार्टम कराने की मांग की। शुक्रवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे की गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है।

बच्चे की मां मीनू का दावा है कि उसके बच्चे को अचानक खून की उल्टियां आई थीं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने के तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कर रही है। अब तक इस मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के सहरिया गांव निवासी सुरेंद्र ट्रक चालक है। उसने करीब 13 साल पहले हरिद्वार निवासी मीनू से शादी की थी। दंपती के दो बेटियां सलोनी और रोहिणी हैं जबकि दो बेटे अरुण और वरुण हैं। सुरेंद्र

मुंबई में ट्रक चला रहा है। सुरेंद्र के भाई विजेंद्र ने बताया कि मीनू करीब ढाई माह पहले अपने चारों बच्चों को लेकर सहरिया से मूंढापांडे आ गई थी और यहीं किराये पर रह रही थी। यहां वह अलग अलग मकान में किराये पर रही और करीब 15 दिन से नरेंद्र सिंह के मकान में रह रही थी।

बच्चे के गले पर थे चोटों के निशान

विजेंद्र का कहना है कि उन्हें बृहस्पतिवार की शाम पता चला कि सुरेंद्र के बेटे की मौत हो गई है। उन्होंने इसकी जानकारी सुरेंद्र को फोन पर दी। इसके बाद विजेंद्र और उनकी मां शिवदेई मूंढापांडे पहुंच गए। उन्होंने देखा कि बच्चे के गले पर चोटों के निशान थे। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उन्होंने मीनू और उसके प्रेमी पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उधर मीनू का दावा है कि उसके बेटे को बृहस्पतिवार की दोपहर खून की उल्टियां आई थीं। वह बच्चे को लेकर अस्पताल गई थी वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। शुक्रवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि गला घोंटकर बच्चे की हत्या की गई थी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि इस मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर संदिग्धों से पूछताछ कर सच सामने लाया जाएगा। इसके बाद बच्चे की हत्या का खुलासा किया जाएगा।

13 साल पहले मीनू ने सुरेंद्र से किया था प्रेम विवाह

परिवार के लोगों का दावा है कि मीनू और सुरेंद्र के बीच करीब 13 साल पहले फोन के जरिए जान पहचान हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होती थी। इसके बाद मीनू मूंढापांडे के सहरिया गांव में आ गई थी और सुरेंद्र से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बाद दोनों साथ साथ रहने लगे थे। इस दौरान मीनू को चार बच्चे हुए। सुरेंद्र के भाई विजेंद्र का आरोप है कि मीनू की एक अन्य युवक से जान पहचान हो गई। जिसके बाद सुरेंद्र और मीनू के बीच विवाद रहने लगा। मीनू का कहना है कि पति शराब पीकर उसके साथ आए दिन मारपीट करता है। जिस कारण वह अपने बच्चे को साथ लेकर मूंढापांडे में किराये के मकान में रह रही है और जीरो प्वाइंट के पास एक फैक्टरी में काम करती है। उसने अपने बच्चे की हत्या नहीं की है।

बच्चे का जन्म दिन मनाने पैतृक घर गई थी

मीनू का कहना है कि 28 जून को उसके छोटे बेटे वरुण का जन्म दिन था। उसने अपने पति से फोन पर बात की थी कि वह अपने बच्चे का जन्म धूम धाम के साथ मनाना चाहती है। वह बृहस्पतिवार की सुबह सहरिया गांव में अपने घर की सफाई करने गई थी। मीनू का आरोप है कि वहां उसके साथ मारपीट की गई और उसे वहां से भागा दिया था। इसके बाद वह मूंढापांडे वापस आई तो देखा कि बच्चे की तबीयत खराब है। वह उसे लेकर अस्पताल चली गई थी।

फर्जी कोर्ट, नकली अधिकारी और 12 दिन की पूछताछ... 84 साल के रिटायर्ड बैंक मैनेजर से ऐसे लूटे गए ₹2.20 करोड़

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। देशभर में साइबर ठगी की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कई बार लालच, तो कई डरा-धमकाकर लोगों को लूटा जा रहा है। ऐसे ही एक मामला दिल्ली से सटे यूपी के गाजियाबाद जिले से भी सामने आया है, जहां साइबर ठगों ने एक 84 वर्षीय रिटायर्ड बैंक मैनेजर और उनकी पत्नी को एक दो नहीं, बल्कि 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। साथ ही धीरे-धीरे कर करीब 2.20 करोड़ रुपए की ठगी कर ली।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद जिले के वैशाली थाना क्षेत्र स्थित रामप्रस्थ ग्रीन सोसाइटी में रहने वाले रिटायर्ड बैंक मैनेजर राम प्रकाश हरिया (84) को 22 मई को एक व्हाट्सएप वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को दरियागंज थाने का अधिकारी बताते हुए दावा

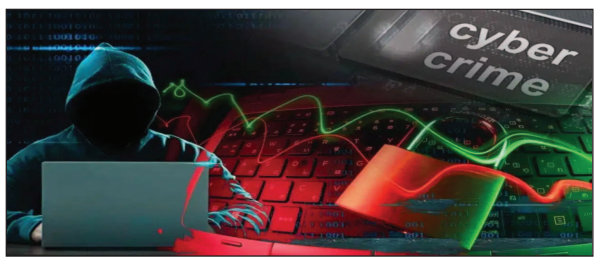

किया कि साल 2023 में केनरा बैंक से 538 करोड़ रुपए का गबन हुआ था, जो कि जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल से संबंधित है।

गबन के आरोपों में बुजुर्ग को फंसाया

इस मामले में उनके नाम पर खाता खोलकर गबन किए गए 6 करोड़ 80 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए थे। अब उनके खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी हुए। जैसे ही साइबर ठग मैनेजर जाल में फंसते नजर आए तो उन्होंने कहा कि हम आपको डिजिटल अरेस्ट कर रहे हैं। इसके बाद साइबर ठग ने बुजुर्ग से उनके परिवार की पूरी जानकारी ले ली और कहा कि जब हम आपको वीडियो कॉल करेंगे आप पत्नी पत्नी को साथ रखना। इसे बारे में अपनी नातिन को कुछ भी मत बताना नहीं अच्छा नहीं होगा।

रोज 8 घंटे हुई पूछताछ

पीड़ित के मुताबिक, 22 मई से 4 जून तक इस दंपति जोड़े को साइबर ठाकुर ने डिजिटल अरेस्ट कर रोजाना चार से 8 घंटे तक पूछताछ की और इस दौरान बुजुर्ग को जेल भेजने का डर दिखाकर की कई खातों में करीब 2 करोड़ 20 लाख रुपए करवा लिए। हर बार नए खाते में पैसे ट्रांसफर कराए गए। जालसाज काफी शातिर थे। उन्होंने पीड़ित बुजुर्ग की कथित कोर्ट में डिजिटल पेशी कराई, जज के सामने पेश किया।

नकली जज ने भी डरारा

इस दौरान जज ने कहा कि आपके बैंक खाते, कार और मकान आदि सहित सभी चीजों की जांच होगी। सारे पैसे सरकारी बैंक में जमा करने होंगे। इसके बाद ही जमानत होगी। इतना ही आगे कहा गया कि जांच में निर्दोष पाए जाने पर पैसा वापस कर दिया जाएगी। पीड़ित ने बताया कि उन्हें 19 जून तक राहुल गुप्ता नाम से फोन आते रहे। साथ ही जांच का भरोसा दिया जाता था, लेकिन जब फोन आना बंद हो गए तो बुजुर्ग को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ।

साइबर थाने में केस दर्ज

इसके बाद उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग 70 लाख की व्यवस्था गोल्ड लोन और परिचितों से उधार लेकर की थी। डीपी धमाल जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रिटायर बैंक मैनेजर से मिली शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम ब्रांच ने उनका मुकदमा दर्ज कर लिया है, जिन खातों में रुपया भेजा गया था अब साइबर थाने की टीम उन आरोपियों की डिटेल निकाल रही है। छानबीन कर इस गिरोह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

खेल एवं शिक्षा परिषद के खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मुंशी प्रेमचंद पार्क, बढ़ैयावीर में शुक्रवार को सुल्तानपुर खेल एवं शिक्षा परिषद द्वारा राष्ट्रीय, राज्य, अंतरराष्ट्रीय एवं साउथ एशियन गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं अखिल भारतीय संत समाज कल्याण कमेटी के संरक्षक राम प्रकाश मिश्रा दधीचि अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित हुए और खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान करते हुए राम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि खेलों के माध्यम से जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ उनकी टीम सदैव खड़ी रहेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं या अन्य किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। सुल्तानपुर खेल एवं शिक्षा परिषद के महासचिव एवं ट्रेनिंग कोच शुभम धुरिया ने बताया कि परिषद के खिलाड़ियों ने लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। परिषद के कई खिलाड़ियों ने साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक हासिल किए हैं। वहीं बॉक्सिंग सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मथुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे चौंपियनशिप में परिषद के छह खिलाड़ियों ने पदक जीतकर सुल्तानपुर का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य, बेहतर प्रशिक्षण, शिक्षा और खेलों के समग्र विकास को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, महासचिव शुभम धुरिया एवं कोषाध्यक्ष रेखा देवी ने कहा कि परिषद खेल और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है तथा समाज के सहयोगी एवं प्रतिष्ठित लोगों को जोड़कर खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश खेल एवं शिक्षा परिषद के महासचिव पंकज पांडे द्वारा परिषद को मिल रहे निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग का भी उल्लेख किया गया।

भाजपा की यात्रा सत्ता नहीं, सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि की यात्रा: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मूल्यों और आदर्शों की राजनीति के बल पर शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है। वर्ष 1985 में मात्र दो लोकसभा सीटों वाली भाजपा आज केंद्र सहित 21 राज्यों में सरकार चला रही है और दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यात्रा सत्ता प्राप्त करने की नहीं, बल्कि सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और समन्वय स्थापित करने की यात्रा है।मुख्यमंत्री शनिवार को गोरखपुर के गुलरिहा स्थित एक रिजॉर्ट में आयोजित भाजपा महानगर प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं से 'दल से पहले देश' और 'व्यक्ति से पहले समाज' की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन कि ₹बिना मूल्यों और आदर्शों वाली राजनीति मौत का फंदा है₹ भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव आया है। अब भारत दुश्मनों की आंख में आंख डालकर जवाब देता है। एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि पहले कश्मीर आतंकवाद, पूर्वोत्तर उग्रवाद और कई जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है।उन्होंने कहा कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के कारण ही देश में सड़क, एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे, मेट्रो, रोपवे, अंतर्देशीय जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स जैसी आधारभूत परियोजनाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। मजबूत आधारभूत ढांचा ही तीव्र विकास की नींव है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों को शौचालय, आवास, नल से जल, स्वास्थ्य सुरक्षा, मुफ्त राशन और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। सरकार की योजनाओं के कारण करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकलकर विकास की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार ने उन कार्यों को भी पूरा किया जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। श्रीराम जन्मभूमि विवाद का समाधान, श्रीराम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, विंध्य धाम तथा दिव्य, भव्य और स्वच्छ महाकुंभ इसका उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में केंद्र सरकार ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया और हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया।मुख्यमंत्री ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की एकता के लिए प्रेरणा बना, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का विचार देकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का मार्ग दिखाया।उन्होंने कहा कि वर्ष 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारतीय जनसंघ के एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं ने जेल की यातनाएं झेलीं। वर्ष 1977 में 'दल से बड़ा देश' की भावना से जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ और बाद में 6 अप्रैल 1980 को अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता विकास के लिए आवश्यक है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं के नेतृत्व में भाजपा ने निरंतर विस्तार किया और आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुकी है।उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं की सेवा भावना की भी सराहना करते हुए कहा कि जब अन्य दलों के लोग घरों में थे, तब भाजपा कार्यकर्ता जनता की सेवा में सड़कों पर सक्रिय थे। संकट के समय समाज के साथ खड़ा होना भाजपा की कार्यसंस्कृति का प्रमाण है।कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता ने की तथा आभार क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, रमेश सिंह, त्र्यम्बक नाथ त्रिपाठी, विनोद पांडेय, अच्युतानंद शाही, पुष्पदंत जैन सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं प्रशिक्षण वर्ग के प्रतिभागी उपस्थित रहे।कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा गोरखपुर के विकास कार्यों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उसका अवलोकन भी किया।

1 जुलाई से ग्रामीण परिवारों को मिलेगा 125 दिन का रोजगार, वीबी–ग्राम जी अधिनियम लागू होगा : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ₹विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-ग्राम जी)₹ ग्रामीण भारत के विकास और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा, उनकी आय सुरक्षा को मजबूत करेगा और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगा।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के ग्राम्य विकास विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जाएगा।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास के सशक्त संकल्प के साथ आत्मनिर्भर और समृद्ध गांवों के निर्माण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण परिवारों को अधिक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार की गारंटी अवधि 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।उन्होंने कहा कि रोजगार के अतिरिक्त 25 दिनों से ग्रामीण श्रमिकों की आय में वृद्धि होगी, स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा और गांवों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ विकास कार्यों में भी तेजी आएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-ग्राम जी अभियान ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा। योजना के सफल संचालन से गांवों में रोजगार बढ़ने के साथ-साथ आधारभूत विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गांवों को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के ग्रामीण परिवारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मोहनलालगंज में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पति से कहासुनी के बाद उठाया कदम

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सोहावा में 23 वर्षीय विवाहिता ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे सूचना मिली कि ग्राम सोहावा निवासी काजल (23), पत्नी कमलेश, ने अपने घर के कमरे में साड़ी के सहारे पंखे से फांसी लगा ली है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना से पहले किसी बात को लेकर काजल और उसके पति कमलेश के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद वह अपने कमरे में चली गई, जहां उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस के पहुंचने से पहले पति कमलेश और मृतका के भाई पिंटू ने शव को फंदे से नीचे उतार लिया था।

जनता दर्शन में सीएम ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, जरूरतमंदों को आवास और इलाज का दिया भरोसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध कराने और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए हरसंभव आर्थिक सहायता देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को आवास और जरूरतमंदों के इलाज की व्यवस्था सरकार कराएगी।महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए निर्देश दिया कि सभी मामलों का समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रत्येक पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा हर समस्या का प्रभावी समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।जनता दर्शन में एक महिला ने अपने पास रहने के लिए मकान न होने की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे सरकारी योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का उपचार नहीं रुकेगा। एम्स दिल्ली में उपचार करा रही एक महिला को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया गया, जबकि एक अन्य महिला के इलाज के लिए अधिकारियों को गोरखपुर एम्स या बीआरडी मेडिकल कॉलेज में समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए।भूमि कब्जे की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों से भी मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट देकर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और अभिभावकों से कहा कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय अवश्य भेजें।

अघोरी साधु बनकर महिलाओं की अंगूठियां उड़ाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी की मड़ियांव पुलिस ने अघोरी साधु का वेश धारण कर लोगों को झांसे में लेकर सोने की अंगूठियां चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दिल्ली के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई अंगूठी बेचकर प्राप्त 31,700 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।पुलिस के अनुसार, 17 जून 2026 को जानकीपुरम निवासी शाम्भवी शुक्ला ने थाना मड़ियांव में शिकायत दर्ज कराई थी कि अघोरी साधु के वेश में आए एक व्यक्ति ने उनका भला करने का झांसा देकर फूल दिया और इसी दौरान उनके हाथ से सोने की अंगूठी गायब कर दी। शिकायत के आधार पर थाना मड़ियांव में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की पहचान के प्रयास शुरू किए। शनिवार को थाना मड़ियांव की पुलिस टीम इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिए दोनों संदिग्ध भिठौली फ्लाईओवर के पास मड़ियांव जाने वाले मार्ग पर मौजूद हैं।सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान साकिब नाथ (28 वर्ष) निवासी शांति कॉलोनी, जौनापुर, दक्षिणी दिल्ली तथा अरुण (27 वर्ष) निवासी तुगलकाबाद, गोविंदपुरी, दक्षिणी दिल्ली के रूप में बताई। दोनों सपेरे का काम करते हैं।लाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 31,700 रुपये बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अघोरी साधु का भेष बनाकर लोगों को भला करने और पूजा-पाठ का झांसा देते थे। फूल या प्रसाद देने के बहाने हाथ पकड़कर उनकी अंगूठी निकाल लेते थे और बाद में उसे राहगीरों को बेच देते थे। बरामद धनराशि चोरी की गई अंगूठी बेचने से प्राप्त हुई थी।रामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2), 317(4) और 3(5) की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लखनऊ में छज्जा गिरने से दो बच्चों की मौत, पांच गंभीर घायल

लखनऊ। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला पखरिया, मोहना में शुक्रवार देर रात एक मकान का छज्जा गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।पुलिस के अनुसार, 26 जून की रात करीब 10:15 बजे एक मकान के छज्जे से लोगों को पेय पदार्थ वितरित किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक छज्जा भरभराकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से करीब 10 लोग घायल हो गए।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल बख्शी का तालाब स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मोहना निवासी 12 वर्षीय अली पुत्र कासिम तथा 12 वर्षीय अरमान पुत्र इमरान को मृत घोषित कर दिया।

बरसात से पहले नाला सफाई और सिल्ट उठान हर हाल में पूरा करें : महापौर सुषमा खर्कवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में शनिवार को स्मार्ट सिटी सभागार में नगर निगम की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने विकास कार्यों, कर संबंधी आपत्तियों, अतिक्रमण, सफाई व्यवस्था, नाला सफाई तथा सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की। महापौर ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में स्कूलों के वार्षिक किराया मूल्य (एआरवी) और जलकल कर से संबंधित लंबित आपत्तियों पर चर्चा हुई। महापौर ने नगर आयुक्त के माध्यम से सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित सभी आपत्तियों का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण कर प्रमाणित करें कि उनके जोन में कोई मामला लंबित नहीं है।महापौर और नगर आयुक्त ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ग्रिड परियोजना के अंतर्गत विकसित सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को नियमित अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने, जुर्माना लगाने तथा स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्रीय निरीक्षण कर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया।आगामी मानसून को देखते हुए नाला सफाई कार्यों की समीक्षा करते हुए महापौर ने सभी अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए कि नाला सफाई पूर्ण होने के बाद उसका प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों में आबादी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश भी दिए।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि बरसात शुरू होने से पहले सभी बड़े और छोटे नालों की सफाई तथा उनसे निकली सिल्ट का शत-प्रतिशत उठान हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।उन्होंने स्पष्ट कहा कि अतिक्रमण, गंदगी और अधूरे विकास कार्यों के प्रति किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जोनल अधिकारी नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करें, मुख्यमंत्री ग्रिड परियोजना की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखें तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें।बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, मुख्य लेखा अधिकारी महामिलिंद लाल, महाप्रबंधक जलकल कुलदीप सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, विनय कुमार राय, मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मुख्य अभियंता (आरआर) मनोज प्रभात, सभी जोनल अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर अपना दल कमेरावादी का धरना

लखनऊ। अपना दल (कमेरावादी) ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर सिराथू विधानसभा से विधायक एवं पार्टी की राष्ट्रीय नेता डॉ. पल्लवी पटेल के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान पार्टी ने वर्तमान लोकसभा और विधानसभा सीटों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण तत्काल लागू करने तथा आरक्षित सीटों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए अलग से हिस्सेदारी निर्धारित कर उसे लागू करने की मांग की।धरने में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने 'महिला आरक्षण तत्काल लागू करो', 'एससी-एसटी-ओबीसी महिलाओं का हिस्सा तय करो', 'आधी आबादी, पूरा हक' और 'महिलाओं ने ठाना है, सामाजिक न्याय लाना है' जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने

गोसाईंगंज पुलिस ने एक किलो गांजा के साथ तस्कर को दबोचा, बाराबंकी का आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईंगंज पुलिस ने देर रात गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान एक युवक को एक किलोग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बाराबंकी का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले से एनडीपीएस अधिनियम, गैंगस्टर तथा अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार 26 और 27 जून की मध्यरात्रि को उपनिरीक्षक राजीव पटेल अपनी टीम के साथ गोसाईंगंज-मोहनलालगंज मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक हाथ में झोला लिए खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह सड़क से नीचे उतरकर तेजी से जाने लगा। उसके हावभाव संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की।शुरुआत में युवक ने टालमटोल की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि उसके झोले में गांजा रखा है। पूछताछ में उसने अपनी पहचान कौशिक मिश्रा (23) पुत्र संजय मिश्रा निवासी ग्राम चंदीखेड़ा, थाना लोनी कटरा, जनपद बाराबंकी के रूप में बताई।पुलिस ने उसकी लिखित सहमति के बाद झोले की तलाशी ली। तलाशी के दौरान भूरे रंग की प्लास्टिक टेप में लिपटा एक पैकेट बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर उसमें एक किलोग्राम गांजा पाया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा बेचकर अच्छा मुनाफा कमाता है और इसी से अपना जीवन-यापन करता है। वैध अभिलेख मांगने पर वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी कौशिक मिश्रा का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ गोसाईंगंज और बाराबंकी के लोनी कटरा थाने में एनडीपीएस अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम, सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।इस कार्रवाई को गोसाईंगंज कोतवाली की पुलिस टीम ने गश्त के दौरान अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बिहार पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय शनिवार को बिहार के भोजपुर जनपद स्थित बिलौटी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस गोलीकांड में मृत भरत भूषण तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी न्याय की इस लड़ाई में परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।अजय राय ने शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ है और न्याय मिलने तक उनकी आवाज को बुलंद करता रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की समस्याओं को उठाना कोई अपराध नहीं है और किसी भी नागरिक को अपनी बात रखने का संवैधानिक अधिकार है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भरत भूषण तिवारी स्थानीय जनता की समस्याओं को लंबे समय से उठा रहे थे, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें प्रताड़ित किया गया।

19 जुलाई को प्रयागराज में होगा कांग्रेस का 'छात्र संवाद', तैयारियां तेज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस ने आगामी 19 जुलाई को प्रयागराज में प्रस्तावित 'छात्र संवाद' कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों और युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। पार्टी ने छात्रों और युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए प्रचार अभियान भी शुरू कर दिया है।कांग्रेस नेताओं के अनुसार, इससे पहले राहुल गांधी ने कोटा में छात्रों के साथ संवाद किया था, जिसमें पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं की अनियमितताओं और रोजगार जैसे मुद्दों पर युवाओं ने अपनी बात रखी थी। प्रयागराज का कार्यक्रम भी इन्हीं विषयों पर केंद्रित रहेगा। इसमें पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में देरी, बेरोजगारी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच जैसे मुद्दों पर छात्रों से संवाद किया जाएगा।पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं कार्यक्रम प्रभारी तथा प्रदेश महासचिव (संगठन) अनिल यादव प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों और विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की तथा तैयारियों का जायजा लिया।बैठक में छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्र संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का संकल्प व्यक्त किया।

डील पक्की... लेकिन एक शर्त पर! आखिर भारत ने अमेरिका के सामने कौन सा 'सुरक्षा कवच' पटक दिया?

भारत और अमेरिका के बीच में चल रहे ट्रेड टॉक्स में एक बहुत ही बड़ा ट्विस्ट आया है। या फिर यह भी कहना गलत नहीं होगा कि भारत ने अब अमेरिका की तरफ टेबल टर्न कर दिया है। अभी तक भारत अमेरिका के ऊपर यह शर्त लगा रहा था कि हम तब तक डील साइन नहीं करेंगे जब तक अमेरिका भारत को बाकी देशों के मुकाबले में कम टैरिफ ऑफर नहीं करेगा। अब भारत ने उसके साथ में एक और बहुत ही बड़ी डिमांड कर दी है। जिसमें कि भारत के द्वारा सनसेट क्लॉज़ की डिमांड की गई है। यह एक ऐसा नया और बड़ा दांव है, जिसे भारत ने अमेरिका के साथ चल रही इस महा-ट्रेड डील की मेज पर पटक दिया है! तो यह क्लॉज़ कुछ और नहीं, बल्कि भारत के लिए एक मजबूत 'सुरक्षा कवच' है। रिपोर्ट की मानें तो नई दिल्ली का वाशिंगटन से सीधा कहना है कि देखिए बॉस, आपकी आर्थिक नीतियां और फैसले इतनी तेजी से बदलते हैं कि अब हम केवल आपके खोखले वादों और आश्वासनों के भरोसे नहीं बैठ सकते! जिस रफ्तार से पिछले कुछ समय में अमेरिकन पॉलिसीज में बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं, उसे देखते हुए इस ट्रेड डील में एक 'सनसेट क्लॉज़' का होना अब बेहद अनिवार्य हो चुका है और इसके बिना भारत इस डील में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाएगा। अब सवाल उठता है कि आखिर क्या है यह सनसेट क्लॉज़? भारत को अचानक इस क्लॉज़ को लाने की प्रेरणा कहाँ से मिली? अगर यह डील में शामिल होता है, तो इससे भारत को क्या-क्या बड़े फायदे होने वाले हैं? इन सभी कूटनीतिक और आर्थिक पहलुओं का आज हम एमआरआई स्कैन करेंगे। सनसेट क्लॉज़ एक ऐसा प्रावधान है जो कि कई सारे समझौतों में, कई सारे एग्रीमेंट्स में देखने को मिलता है और यह मूलतः इंश्योरेंस मैकेनिज्म यानी सुरक्षा कवच की तरह फ्यूचर पॉलिसी चेंजेस के खिलाफ काम करता है। इसको बहुत ही सरल शब्दों में कहे तो एक तरीके का सुरक्षा कवच होता है। मतलब कि अगर आगे चलकर हालात बदल जाते हैं। दोनों पार्टीज में से कोई एक पार्टी किसी भी तरीके के बदलाव का ऐलान कर देती है, तो दोनों देशों को समझौते की शर्तों पर फिर से बैठकर के रीनेगोशिएट करना पड़ता है। फिर से बैठकर के बातचीत करनी पड़ती है। ऐसा बिल्कुल नहीं होने वाला कि आज भारत और अमेरिका किसी एग्रीमेंट पर साइन कर लें और साल भर बाद अमेरिका उठकर कह दे कि भईया, हम तो अपनी पॉलिसी बदल रहे हैं, लेकिन जो पुरानी डील साइन हुई थी, वो आप चुपचाप वैसे ही मानते रहिए! भारत का बिल्कुल साफ और कड़ा स्टैंड है कि जी नहीं, अब ऐसा नहीं चलेगा! अगर कल को अमेरिका अपनी नीतियां बदलता है, तो उस मनमानी और बड़े नीतिगत झटके से खुद को बचाने के लिए ही भारत इस डील में 'सनसेट क्लॉज़' को जोड़ने पर अड़ा हुआ है। यह क्लॉज़ भारत के लिए वो कानूनी ढाल है, जो अमेरिका को अपनी शर्तों से पीछे हटने पर दोबारा बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर कर देगी! भारत द्वारा इस समय व्यापार समझौते में 'रिव्यू मैकेनिज्म' या 'सनसेट क्लॉज' (समीक्षा व समाप्ति शर्त) पर जोर देना, पिछले एक साल के दौरान अमेरिका के भीतर बदली आर्थिक नीतियों और अनिश्चितताओं से सीधा जुड़ा हुआ है। आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं बाजार पहुंच, स्थिर टैरिफ दरों और नियमों के भरोसे पर आगे बढ़ती हैं, लेकिन जब कोई देश अपनी नीतियां बार-बार बदलता है, तो ये सारे अनुमान कमजोर पड़ जाते हैं। अमेरिकी बाजार में हाल ही में हुए टैरिफ संशोधनों, कानूनी विवादों और नीतिगत बदलावों को देखते हुए नई दिल्ली अब केवल मौखिक आश्वासनों के भरोसे कोई बड़ा जोखिम नहीं उठाना चाहती। असल चिंता व्यापार समझौते को लेकर नहीं, बल्कि इस बात को लेकर है कि भारत द्वारा बड़े नीतिगत वादे और निवेश कर दिए जाने के बाद अगर वाशिंगटन की परिस्थितियां अचानक बदल गईं, तो क्या होगा। यही वजह है कि भारत एक ऐसा 'सनसेट क्लॉज' चाहता है जो भविष्य में किसी भी बड़े नीतिगत झटके के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच की तरह काम करे और आर्थिक आधार बदलने पर दोनों देशों को नए सिरे से मेज पर बैठने का कानूनी अधिकार दे। भारत की सोच पर असर डालने वाली एक अहम घटना 20 फरवरी को हुई। उस दिन, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 से एक फ़ैसला सुनाया, जिसने अमेरिका में टैरिफ़ तय करने के अधिकार से जुड़े कानूनी ढांचे को बदल दिया। इस फ़ैसले में यह निष्कर्ष निकाला गया कि कुछ आपसी द्विपक्षीय टैरिफ़ लगाने के लिए पहले जिस कार्यकारी कानून का इस्तेमाल किया जाता था, वह अधिकृत नहीं था; इस तरह टैरिफ़ तय करने की शक्तियाँ असल में कांग्रेस को वापस मिल गईं। इस फ़ैसले के अहम नतीजे निकले क्योंकि इसने उन धारणाओं को बदल दिया जिन पर पहले व्यापार से जुड़ी बातचीत आधारित थी। फ़ैसले के बाद, टैरिफ़ के एक ऐसे ढांचे की उम्मीद कम निश्चित हो गई जिसके बारे में पहले काफ़ी हद तक अंदाज़ा लगाया जा सकता था। इसके बाद, अमेरिका टैरिफ़ के एक अलग ढांचे की ओर बढ़ गया, जबकि साथ ही वह व्यापार को लागू करने वाले अलग-अलग तरीकों पर भी निर्भर रहा।

जल शक्तिः विकसित भारत की यात्रा को दे रही है गति

अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है।

सी. आर. पाटिल

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है? ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब 'जल' देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग-अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढ़ियाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई।

इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराना है। लाखों परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह केवल पानी की सुविधा नहीं है, बल्कि उनके जीवन में आया एक बड़ा बदलाव है।

अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है। जो समय पहले पानी लाने में लगता था, अब उसका उपयोग पढ़ाई, रोजगार, बच्चों की देखभाल और आय बढ़ाने वाले कामों में हो रहा है। साथ ही, सुरक्षित पेयजल मिलने से पानी से फैलने वाली बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे लोगों का इलाज पर होने वाला खर्च भी घटा है। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ने भी देश में बड़ा बदलाव लाया है। इस अभियान ने दिखाया कि लोगों की सोच में बदलाव, जनभागीदारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलकर बड़े स्तर पर परिवर्तन ला सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की वजह से 2014 से अक्टूबर 2019 के बीच दस्त से होने वाली 3 लाख से अधिक मौतों को रोका जा सका। घर-घर शौचालय बनने से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को सम्मान, निजता और सुरक्षा मिली। इस तरह स्वच्छता केवल एक सुविधा नहीं रही, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बन गई। गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के बाद अब देश स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 के तहत ठोस और तरल कचरे के वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत ने जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज के क्षेत्र में भी दुनिया के सबसे बड़े अभियानों में से एक चलाया है। 6 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सूरत से ₹जल संचय जन भागीदारी₹ अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत 31 मई 2026 तक देशभर में 1.55 करोड़ से अधिक वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। यह अभियान दिखाता है कि जल संरक्षण में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयास कितने प्रभावी हो सकते हैं।

इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब भूजल की स्थिति में भी दिखाई देने लगा है। हाल के आकलनों के अनुसार, देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है और जिन क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, उनकी संख्या में भी कमी आई है। यह इस बात का प्रमाण है कि लगातार किए गए जल संरक्षण के प्रयास और जनभागीदारी मिलकर पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को भी कम कर सकते हैं। साथ ही, भारत ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं को भी तेज़ी से आगे बढ़ाया है। देश की पहली बड़ी नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्यों के भीतर नदियों को जोड़ने की कई परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नमामि गंगे कार्यक्रम ने यह साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले एक दशक में 4,260 मिलियन लीटर प्रतिदिन(एमएलडी) सीवेज शोधन क्षमता विकसित की गई है। अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से निकलने वाला जैविक प्रदूषण (बीओडी) 2017 में 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन रह गया है। वहीं, उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी (एफ्लुएंट) का उत्सर्जन भी 349 एमएलडी से घटकर 265.56 एमएलडी हो गया है। आज निगरानी के आंकड़े बताते हैं कि गंगा नदी में सभी निगरानी केंद्रों पर पानी का पीएच स्तर और घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) स्नान योग्य मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, देशव्यापी आकलन के अनुसार गंगा में लगभग 6,324 गंगा डॉल्फ़िनि पाई गई हैं, जो नदी के बेहतर होते पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की जल यात्रा दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख बनकर सामने आई है। 21वीं सदी की जल संबंधी चुनौतियों का समाधान अलग-अलग प्रयासों से नहीं हो सकता। पेयजल, स्वच्छता, नदियों का संरक्षण, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था, भूजल रिचार्ज, इस्तेमाल किए गए पानी का दोबारा उपयोग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी—इन सभी को एक-दूसरे से जुड़ी व्यवस्था के रूप में देखना होगा।

टिप्पणी

देश में आक्रोश

फारस की खाड़ी की नौसैनिक नाकेबंदी के बावजूद अमेरिकी नौ सेना ने चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है?

ओमान की खाड़ी में तीन विदेशी झंडे वाले वाणिज्यिक टैंकरों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मौत पर उचित ही देश में आक्रोश फैला है। इन घटनाओं पर देशवासियों का व्यग्र होना भी स्वाभाविक है। बेशक, ये घटनाएं नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति की एक दुखद टिप्पणी हैं। अजीब विडंबना है कि अमेरिका और भारत खुद को 'प्रमुख रक्षा भागीदार बताते हैं। इसके बावजूद अमेरिकी नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय जल-क्षेत्र में वाणिज्यिक टैंकरों पर मिसाइल दाग कर भारतीय नाविकों की जान ले ली।

यह साफ हो चुका है कि अमेरिकी नौसेना का तीनी विदेशी ध्वज वाले वाणिज्यिक टैंकरों के चालक दल से सीधा संपर्क था। यानी हमला शुरू करने से पहले उसे मालूम था कि चालक दल के सदस्य भारतीय हैं। मगर अमेरिकी नौसेना ने भारतीयों की जान और भारतवासियों की भावनाओं की तनिक परवाह नहीं की। उचित ही इस क्रम में पिछले मार्च में हुई उस घटना का उल्लेख हुआ है, जब अमेरिकी नौसेना ने भारतीय तट के करीब ही एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया था। वह ईरानी जहाज भारत के आमंत्रण पर भारत में हुए नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आया था। गैर-लड़ाकू स्थिति में आए उस जहाज के लौटते वक्त अंतरराष्ट्रीय कायदों और आम नैतिकता को ठेंगे पर रखते हुए अमेरिका ने उसे डुबोया।

उस घटना पर भारत सरकार की चुप्पी चर्चा का विषय बनी थी। अगर भारत ने उस समय पुरजोर विरोध जताया होता, तो ये संभव था कि ओमान की खाड़ी में भारतीय नाविकों को निशाना बनाने की बेपरवाह कार्रवाई करने से पहले अमेरिकी नौ सेना को कई बार सोचना पड़ता। यह भी गौरतलब है कि अमेरिका कच्चे तेल का परिवहन करने वाले जिन जहाजों को 'शैडो फ्लीट बताता है, उनमें से अनेक चीन और रूस से भी जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून में बिना किसी आधार के पिछले 13 अप्रैल को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने होरमुज जलडमरुमद्य की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू की थी। इसके बावजूद अमेरिकी सेना ने सीधे चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है?

ब्लॉग

जातिवाद की राजनीति से कराहता लोकतंत्र

संविधान निर्माताओं और संविधान की मौलिक अवधारणा का उड़ता मखौल

हरिश्चंद्र श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल ने तो जातीय राजनीति को अपना एजेंडा बनाया है। सपा मुखिया ने प्रेस कांफ्रेंस करके अपराधियों के विरुद्ध हो रही कार्यवाहियों को जातिगत नजरिये से सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछड़ी जातियों के लोगों के खिलाफ अपराध के मामले में सर्वाधिक कार्रवाई हो रही है। यह अपने आप में स्तब्ध करने वाली बात है कि यदि प्रदेश की कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने के लिए सरकार कार्यवाही सुनिश्चित कर रही है तो उसकी सराहना करने के बजाय यदि अपराधियों को भी ज़िम्मेदार राजनीतिक दल अपराधी न मानकर जाति -पाति के खाँचे में देख रहे हैं तो भला समाज किस न्याय की आशा करेगा। ऐसे लोग जब प्रदेश को नेतृत्व प्रदान करेंगे तो क्या समाज किस न्याय व्यवस्था की अपेक्षा सरकार से करेगा और इसी जाति-पाति के आईने से जब सरकार अपराधियों को संरक्षण देती है तो प्रशासनिक व्यवस्था छिन्न भिन्न होती है और अपराधियों का अपना जाल फैलता है, समाज में जंगल राज पसरता है। संविधान निर्माताओं ने संभवतः इसकी परिकल्पना नहीं की होगी कि कभी जाति-पाति की राजनीतिक पार्टियों की कार्यशैली बन जाएगी तो संविधान इससे कैसे निपटेगा तथा संविधान में दी गई समतामूलक समाज रचना की अवधारणा की क्या कोई नई परिभाषा गढ़नी होगी।

जब अपराधियों को जाति-पाति के खांचे में देखा जायेगा, जब राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को माननीय और महामाननीय बनाने लगेंगे और राजनीतिक व्यवस्था पर धनकुबेरों और अपराधियों का कब्जा होने लगेगा तो संविधान, क़ानून और न्यायालय इससे कैसे निबटेंगे ? वर्तमान के भारत की यह बड़ी समस्या है कमोबेश सभी राजनीतिक दल यहां तक कि राष्ट्र प्रथम की मूल भावना से प्रेरित राजनीतिक दल के निर्णय और आचरण जाति-पाति के रोग, धनकुबेरों के प्रभुत्व और दबंगई की राजनैतिक आभूषण से आच्छादित हैं बस अंतर केवल इतना है कि कुछ राजनीतिक दलों के वैशिष्ट्य , जाति-पाति और समाज में दबंगई से माननीय और महामाननीय है तो कुछ राजनीतिक दलों की छाया में विश्राम करते हैं।

राजनीतिक मूल्य और व्यवस्था सामाजिक और राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, नैतिक मूल्यों को प्रतिबद्ध सक्षम और विज़नरी लोग ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं यह केवल भाषणों से संभव नहीं है। जाति के प्रति मोह संभव है लेकिन निर्णय जब गुणवत्ता, क्षमता ,प्रतिभा , योग्यता, प्रतिबद्धता, दूरदृष्टि और उच्च मूल्यों के आधार पर नहीं होगी जाति-पाति, दबंग और धन कुबेरों के प्रभाव से आच्छादित निर्णय होंगे तो समाज का निर्माण भी उसी प्रकार का होगा जिसका क्षय निश्चित है अनेक राज्य व्यवस्थाएं इसकी उदाहरण हैं।

भारत ने अनेक क्षेत्रों में आजादी के बाद अभिनंदनीय उपलब्धियां हासिल की, वैश्विक फलक पर अपनी धमक बनाई है लेकिन भारतीय समाज के जो नैतिक मूल्य हैं उसमें बहुत गिरावट आई है। आए दिन समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से अंतर पीड़ा से भर जाता है, फिर सोचना पड़ता है कि आखिर हमारे समाज के सनातन मूल्य केवल अब किताबी रह गए या किस्सागोई के विषय हो गए।

सामाजिक मूल्य और अवधारणा समाज का नेतृत्व कर रहे लोगों के आचरण, बोल, भाषा, उनकी जीवन शैली और चारित्रिक दृढ़ता से निर्मित होती है। आज का जो सामाजिक परिदृश्य बनता जा रहा है उसके पीछे निःसंदेह हमारे नेतृत्वकर्ताओं की दृष्टि जाति ही होगी। अनेक सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा लगातार सनातन मूल्यों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है लेकिन विडंबना यह है कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण रुक नहीं रहा है। राजनीतिक दल अब इसे अपनी मजबूरी मान बैठे हैं और वह भी अवमूल्यित गुणों से ग्रस्त लोगों को अपने दल का आभूषण बनाने में लगे हुए हैं।

आज सामाजिक राजनीतिक दलों का आभूषण जाति-पाति की राजनीति ही हो गई है। अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, सलाहकार, ड्राइवर, सहयोगी अब सब हमें अपनी जाति बिरादरी का ही चाहिए। वोटर बाहुल्य क्षेत्र भी वही चाहिए जो जिसमें जातीय बाहुल्यता है, क्या हम अपनी चिकित्सा के लिए भी अपने जाति के डॉक्टर को खोजेंगे? क्या सेना में भी जाति के आधार पर राष्ट्र की सुरक्षा संभव है क्या? न्यायालयों में पैरवी के लिए योग्य अधिवक्ता की जगह जातीय अधिवक्ता को चुनेंगे? क्या भवन निर्माण के लिये शिल्पी का चयन हम जाति के आधार पर करेंगे? क्या उत्तम शिक्षा प्राप्त करने के लिए हम जाति बिरादरी के अध्यापक को चुनेंगे?

आजादी की लड़ाई से लेकर समाज, शिक्षा , योग, अध्यात्म , विज्ञान, शोध, कानून व्यवस्था, न्याय व्यवस्था, प्रशासन, देश के नेतृत्व, सेना, सरकार एवं अन्यान्य क्षेत्रों में पूरी क्षमता, जिम्मेवारी, मूल्यों की प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण समर्पित भाव से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कायस्थ समाज के लोग आज राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, प्रशासनिक, न्यायिक, शैक्षणिक सभी क्षेत्रों में हाशिए पर चले गए हैं। निरीह स्थिति में है क्योंकि राजनीतिक दलों के जातीय समीकरण में कायस्थ फिट नहीं बैठता क्योंकि कायस्थ समाज जातीय आधार पर राजनीति नहीं करता है। इस तरह की और भी जातियाँ हो सकती हैं लेकिन कुल मिलाकर वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में लोकतंत्र की मूल भावना घायल हो रही है । वर्तमान का संसदीय लोकतंत्र बोझिल होता जा रहा है और जिन कारणों से राजतंत्रीय व्यवस्था का क्षय हुआ था उससे ग्रस्त होती जा रही है आज नहीं तो कल समाज के नेतृत्व को राष्ट्र के नेतृत्व को और प्रबुद्ध लोगों को इस पर चिंतन करना ही पड़ेगा। भारत सदियों से सामाजिक समस्याओं का समाधान चिंतन के माध्यम से निकालता रहा है। देखना यह होगा कि जाति-पांति की अवमूल्यित राजनीति जो अपराधी को भ्रष्टाचारी और दबंगों को जातीय नजरिये से देखे जाने का अंत कब होगा कौन सा राजनीतिक दल इसकी अगुवाई करेगा जो नैतिक मूल्यों, सादगी और ईमानदारी से सामाजिक जीवन के लोगों को महत्व देगा? किसी न किसी को तो आवाज देना ही पड़ेगा।

(लेखक सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतक हैं, यह उनके व्यक्तिगत विचार हैं)

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: ट्रस्ट के साथ पूरे सिस्टम को चलाने वाले का इस्तीफा, अब कैसे चलेगा काम?

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए SIT का गठन किया था, जिसने हाल में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद गिरफ्तारियों का दौर शुरू हुआ। मामले में FIR दर्ज करने के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी इस्तीफा दे दिया। ऐसे में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में अचानक एक संकट की स्थिति दिखाई दे रही है।

दरअसल अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास लंबे समय से अस्वस्थ हैं और उनकी अवस्था किसी भी सक्रिय काम में हिस्सा लेने की नहीं है। वो मौजूदा प्रकरण और विवाद से वाकिफ़ भी नहीं हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद चंपत राय का है जो महासचिव थे।अब उनके इस्तीफे के बाद सबसे बड़ा सवाल है कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के न होने की स्थिति में ट्रस्ट का संचालन कौन करेगा।

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा

ट्रस्ट के सक्रिय सदस्यों में चंपत राय के बाद दूसरा नाम अनिल मिश्रा का आता है। उनका भी इस्तीफा हो चुका है। वो नंबर-2 की हैसियत में थे लेकिन अब नहीं हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के पावर सेंटर के दो संचालक अब बाहर हैं, ऐसे में करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र अयोध्या राम मंदिर के सामने एक संकट है। चंपत राय के खसम खास और डे टू डे ऑपरेशन या यू कहें कि संचालन में तीसरे सबसे पावरफुल व्यक्ति टिन्नू यादव गिरफ्तार हो कर जेल जा चुके। अनिल मिश्रा के करीबी भी जेल जा चुके।

गोपाल जी राव भी संदेह के घेरे में

इन सबके बाद जो व्यक्ति बचते हैं वो हैं ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव, जिनकी मुस्कुराती हुई तस्वीर आज सामने आई। ऐसे में उनकी भूमिका क्या होगी ये भी बड़ा सवाल है, क्योंकि संदेह के घेरे में वो भी हैं और लंबी पूछताछ उनसे भी हुई थी, बेशक अभी तक कार्रवाई या इस्तीफ़े के दायरे में नहीं आए हैं।

ट्रस्ट में बड़े बदलाव की आशंका

FIR, गिरफ़्तारी और इस्तीफे की खबरों के बीच जो ट्रस्ट क्राइसिस आया है उससे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ही क्राइसिस में आ गया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ट्रस्ट के पुनर्गठन का है। प्रोफेशनल अरेंजमेंट तय करने का है, और इसकी रूपरेखा क्या होगी, कैसे होगी इस बात का है। प्रोफेशनल अरेंजमेंट की बात नृपेंद्र मिश्र भी कर चुके हैं और विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष भी इसकी वकालत करते हुए बयान दे रहे हैं। ये सब संकेत ट्रस्ट की संरचना में जल्द ही बड़े बदलाव की ओर इशारा करते हैं।

डैमेज कंट्रोल का अगला कदम

यह मिस मैनेजमेंट के बाद मिसिंग मैनेजमेंट की स्थिति है। हजारों भक्त रोजाना इस तपती गर्मी में भी राम लला के दर्शन के लिए आ रहे हैं। जाहिर तौर पर उनकी श्रद्धा पर नहीं तो चढ़ावे के प्रति उनके विश्वास पर इस चोरी प्रकरण का प्रभाव जरूर पड़ा है। ऐसे में एक सवाल ये भी है कि डैमेज कंट्रोल का अगला कदम कब और कितनी जल्दी उठाया जाएगा?।

राम मंदिर ट्रस्ट और चंपत राय की उसमें भूमिका से अयोध्या के आम लोग से लेकर संत समाज तक वाकिफ़ हैं। वो अपने विचार भी रखते हैं और कहते हैं कि चंपत राय अयोध्या में एक पैरेलल सिस्टम चला रहे थे, जिसमें टिन्नू की भूमिका बहुत अहम थी और जो अब जेल में है। उसके ठिकाने से कैश और ज्वैलरी बरामद हुई है। जब यही चंद लोग जो पूरे सिस्टम को चला रहे थे वो अब आउट ऑफ़ सिस्टम हो चुके हैं। ऐसे में यह एक बड़ा संकट है और इसको तत्काल प्रभाव से पुनर्गठित करने की जरूरत दिखाई देती है।

लगातार आठवें दिन भी पारा रहा 41

जौनपुर। भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। शनिवार को लगातार आठवें दिन अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग बेहाल हैं, और दोपहर में घरों से निकलने से बच रहे हैं। शनिवार सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था। केवल आवश्यक कार्य होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा, जो चैक-चैराहों पर सिर और मुंह ढककर यात्रा करते दिखे। दोपहर तक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, और साफ आसमान के कारण सूरज की तपिश लगातार बढ़ती रही। मौसम वैज्ञानिक बताते है इस सप्ताह भी मौसम इसी तरह गर्म बना रहेगा। इसके बाद ही कुछ बदलाव की संभावना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चिलचिलाती धूप लोगों को झुलसा सकती है।

जनसम्पर्क अधिकारी बनने पर मनीष का भव्य स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार माननीय श्री गिरीश चन्द्र यादव जी के जनसम्पर्क अधिकारी नियुक्त होने पर मनीष श्रीवास्तव का भव्य स्वागत किया गया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के महासचिव एवं सहकार भारती के जिला मंत्री नवनीत श्रीवास्तव के जहाँगीराबाद स्थित आवास पर आयोजित स्वागत समारोह में मौज मस्ती ग्रुप के सदस्यों ने मनीष श्रीवास्तव को बुके देकर सम्मानित किया। स्वागत करने वालों में प्रमोद श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, सुप्रतीक गुप्ता, गौरव श्रीवास्तव, संजीव केसरवानी, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, एडवोकेट, शिव गोविन्द लाल श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, सत्यम श्रीवास्तव, किशलय श्रीवास्तव एवं प्रखर उपस्थित रहे। मनीष श्रीवास्तव ने कहा, मुझे मिली यह नई जिम्मेदारी जनसेवा का अवसर है। मैं अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करूंगा।

बदायूं में चार साल की बच्ची से दरिंदगी, मेडिकल रिपोर्ट में हुई पुष्टि, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र में घर के बाहर सड़क पर ताजिया देखने के दौरान चार वर्षीय बच्ची को एक शख्स उठा ले गया। आरोपी ने बच्ची से दरिंदगी की। लापता होने के बाद करीब नौ घंटे के बाद बच्ची शुक्रवार तड़के पांच बजे मक्का के खेत में रोते मिली। शनिवार को आई मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट आने के बाद एसएसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। आरोपी की तलाश में टीमें लगाई हैं।

अलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी चार साल की नातिन के लापता होने की शिकायत अलापुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। शुक्रवार तड़के पांच बजे बच्ची गांव के बाहर मक्के खेत में रोते मिली। बच्ची के कपड़े खून से लथपथ थे। घटना की स्थिति देखते हुए पुलिस ने बच्ची की काउंसलिंग कराते हुए जिला महिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया था।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए थे साक्ष्य

पुलिस अफसरों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म होने की आशंका को लेकर अपनी जांच शुरू की। अलापुर पुलिस, एसओजी और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य भी जुटाए। वहीं, देर रात एसएसपी ने कहा था कि मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद सही बात सामने आएगी। इधर, शनिवार को मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची से दुष्कर्म होने की पुष्टि हो गई।

एसएसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि बच्ची के मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। दर्ज मामले में पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म की धाराएं बढ़ा दी गई है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमें मौके पर जुटी हैं। बच्ची की काउंसलिंग कराने के साथ परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परिवार का करीबी हो सकता है आरोपी

जिस तरह से बच्ची घर के बाहर से गायब हुई। उससे पुलिस को अंदेशा है कि आरोपी पीड़ित परिवार का नजदीकी हो सकता है, जो बच्ची को टॉफी या अन्य कोई लालच देकर अपने साथ ले गया था। हालांकि बच्ची बृहस्पतिवार की रात करीब साढ़े आठ बजे घर के बाहर से गायब हुई थी। पुलिस बच्ची के घर से मक्का के खेत की दूरी के बीच में कितने घर, किस तरह के लोगों का आना-जाना रहता है। किसी ने बच्ची के साथ किसको देखा गया। कई बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है।

जिला कारागार में अधिकारियों का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जनपद न्यायधीश सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. व पुलिस अधीक्षक कुंवर अुनपम सिंह, सीजीएम श्वेता यादव के द्वारा जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंन्दियो से संवाद करते हुए जिला कारागार के द्वारा दी जा रही सुविधाओं, विधिक सहायता आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। पाकशाला में जाकर खाने की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। जेल अस्पताल में जाकर बंदियों के ईलाज और के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि बन्दियों का समुचित ईलाज किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्साधिकारी गंगाराम गौतम सहित अन्य उपस्थित रहे।

जयमाल पर चले ईट से युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरा गांव में एक बारात के दौरान घराती और बराती पक्ष के बीच हुए विवाद में एक युवक की मौत हो गई। यह घटना बीती रात हुई। विवाद के बावजूद शादी संपन्न कराई गई। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भदेठी गांव निवासी जमुना राजभर के घर यह बारात आई थी। जयमाला कार्यक्रम के बाद किसी बात पर घराती और बराती पक्ष के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। इसी दौरान भदेठी निवासी 24 वर्षीय सौरभ राजभर पुत्र राजेश राजभर के सिर पर एक ईंट लगी। वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। सौरभ ने वाराणसी ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही शादी का माहौल गमगीन हो गया। उस समय सिंदूरदान की रस्म होनी थी, जिसे वर पक्ष ने करने से इनकार कर दिया। अंततः शादी संपन्न हुई। घटना के बाद मृतक के परिजन सौरभ का शव लेकर गौराबादशाहपुर थाने पहुंचे।गौराबादशाहपुर थानाध्यक्ष गंगासागर मिश्रा ने बताया कि मृतक के भाई गौरव राजभर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

सरकार हर मोर्चे पर विफल: कांग्रेस

जौनपुर। केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गई है, सरकार की लापरवाही से पेपर लीक के कारण युवाओं का भविष्य अंधकार में चला गया है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा । कहा कि सरकार की नाकामियों का परिणाम है कि पढ़ा लिखा नौजवान दर-दर ठोकरें खा रहा है और आत्महत्या करने करने पर मजबूर हो गय है। यूपी में हत्याएं, लूट डकैती की रोज होने वाली घटनाओ से पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि जिस रामराज्य का सपना दिखाकर भाजपा सत्ता में आई थी आज उसी भाजपा सरकार में भगवान राम भी सुरक्षित नहीं है। अयोध्या के राममंदिर में हुई लूट और चंदा चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस सरकार में भगवान को भी लूट लिया गया, अयोध्या में राममंदिर ट्रस्ट के नाम पर जमीन घोटाला, सोने चांदी की कीमती शिलाओं, भगवान का मुकुट हार आदि की चोरी से देश के हिंदुओं की आस्था पर गहरा आघात लगा है।

मौसम का डबल अटैक! यूपी में हीटवेव, 24 राज्यों में बारिश का अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। भीषण गर्मी और तपिश के बीच आईएमडी ने आज दिल्ली और बिहार सहित देश के 24 राज्यों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। वहीं कुछ राज्यों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा सूरत, इंदौर, मंडला, डाल्टनगंज और मोतिहारी तक पहुंच चुकी है।

आज दिल्ली में आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 3 से 4 दिनों के दौरान मानसून के उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है।

यूपी में अभी राहत नहीं, लू का कहर जारी

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 जून को भीषण लू और 28 जून तक लू चलने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 28 जून तक लू का असर बना रहेगा। इस दौरान प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी सहित कई जिलों में आंधी और बारिश के भी आसार हैं।

इन राज्यों में आंधी-तूफान की चेतावनी

आईएमडी के अनुसार आज देश के कई राज्यों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत में भी बढ़ेगी बारिश

छत्तीसगढ़, बिहार, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र और ओडिशा में 27 से 30 जून के बीच कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं उत्तराखंड और हिमाचल में कल बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी तेज हवाओं के साथ आज बारिश का अनुमान है।

इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने 27 जून से 2 जुलाई तक पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश का अनुमान जताया है। अरुणाचल प्रदेश, असम-मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा कोंकण-गोवा, केरल, तटीय कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और कर्नाटक के कई हिस्सों में भी लगातार भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल-सिक्किम में भारी बारिश

आईएमडी ने सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 से 29 जून के बीच कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इससे भूस्खलन, जलभराव और नदी-नालों के उफान पर आने का खतरा बढ़ सकता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : आधी-अधूरी एफआईआर, बैंक अधिकारियों पर 'रहम'... क्यों हो रही तहरीर के शब्दों की चर्चा?

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद, कुछ आरोपियों को गिरफ्तारकिया गया है। हालांकि, अब खुद एफआईआर को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। असल में, एफआईआर में नामजद कर्मचारियों के पिता के नाम और पूरे पते दर्ज नहीं किए गए थे, जबकि सभी आरोपी लंबे समय से मंदिर और ट्रस्ट के कामकाज से जुड़े रहे हैं। ऐसी बुनियादी जानकारी का न होना कई सवाल खड़े करता है।

एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं शामिल की गई हैं, जिससे संकेत मिलता है कि मामले में किसी सरकारी कर्मचारी की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सूत्रों के अनुसार जांच में बैंक अधिकारियों और

कर्मचारियों की संभावित मिलीभगत के संकेत मिले हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी बैंक अधिकारी को नामजद नहीं किया गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में दर्ज एफआईआर अब नए विवादों का कारण बनती जा रही है। रिपोर्ट में कई ऐसी खामियां सामने आई हैं, जिनसे ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन कर्मचारियों को नामजद किया गया है, उनके पिता का नाम और पूरा पता तक एफआईआर में दर्ज नहीं किया गया। वहीं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम लगाए जाने के बावजूद किसी भी बैंक अधिकारी या कर्मचारी को नामजद न कर केवल "अज्ञात" आरोपी दर्शाया गया है।

एफआईआर पर क्यों उठ रहे सवाल?

ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कुल 8 लोगों को नामजद किया गया है। इनमें अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू शामिल हैं। इसके अलावा नौवें आरोपी के रूप में एक अज्ञात व्यक्ति के बारे में बताया गया है। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि सभी नामजद आरोपी लंबे समय से मंदिर और ट्रस्ट की व्यवस्थाओं से जुड़े रहे हैं। ऐसे में उनके पिता का नाम और पता जैसी मूलभूत जानकारी का एफआईआर में न होना कई सवाल खड़े करता है। हालांकि विवेचना के दौरान यह जानकारी सामने आ सकती है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट में इस तरह की कमी को लेकर ट्रस्ट की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

बैंक अधिकारियों की मिलीभगत के संकेत

एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं शामिल की गई हैं, जिससे संकेत मिलता है कि मामले में किसी सरकारी कर्मचारी की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सूत्रों के अनुसार जांच में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की संभावित मिलीभगत के संकेत मिले हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी बैंक अधिकारी को नामजद नहीं किया गया। उन्हें अज्ञात आरोपी के रूप में रखना भी कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है।

तहरीर के शब्द भी बने चर्चा का विषय

एफआईआर के लिए दी गई तहरीर भी बेहद संक्षिप्त और सधे हुए शब्दों में लिखी गई है। इसमें केवल एसआईटी की आख्या और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर गबन का आरोप लगाया गया है। सूत्रों का दावा है कि तहरीर भले ही ट्रस्ट की ओर से दी गई हो, लेकिन उसमें प्रयुक्त प्रत्येक शब्द उच्च स्तर पर तय किए गए प्रारूप के अनुसार लिखवाया गया।

गिरफ्तारियां बढ़ेंगी तो बढ़ेगी रिकवरी!

सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी गठन से पहले ही ट्रस्ट स्तर पर संदिग्ध कर्मचारियों से पूछताछ की गई थी और उनकी निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये की बरामदगी हुई थी। अब माना जा रहा है कि जैसे-जैसे मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी होंगी, वैसे-वैसे कथित गबन की रकम की रिकवरी भी बढ़ सकती है। फिलहाल एफआईआर की संरचना, आरोपियों का अधूरा विवरण और बैंक अधिकारियों को अज्ञात रखने जैसे पहलू इस पूरे प्रकरण को और अधिक चर्चा के केंद्र में ले आए हैं। अब निगाहें पुलिस विवेचना और एसआईटी की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पोलियो अभियान को लेकर निकाली रैली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान पूर्व चक्रो की भाँति चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त अभियान को जनपद में 28 जून, से आरम्भ किया जायेगा, जिसमें जनपद के 0-5 वर्ष के कुल 606187 बच्चों को पोलियो खुराक पिलायी जायेगी । उक्त अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु रैली निकाली गयी, जिसकों मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० गंगाराम गौतम द्वारा समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा० नरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में राजकीय टी० बी० चिकित्सालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली अम्बेडकर तिराहा से होते हुये कलेक्ट्रेट होते हुए हुये टी०बी० चिकित्सलय में पुनः वापस आयी। अमित कुमार सिंह गॉवी, आदित्य जायसवाल, ए०एन०एम०, ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं आशाकार्यत्री, ए.डी.ए. आर. एवं विभाग के समसत अधिकारीगण, कर्मचारीण एवं अर्बन क्षेत्र के को-आर्डिनेटर एवं अन्य अर्बन कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्या तनाव बढ़ा रहा है समय से पहले बाल सफेद होने का खतरा?

आजकल कम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या बढ़ती नजर आ रही है। ऐसे में एक स्टडी में समय से पहले बाल सफेद होने और तनाव के बीच संबंध पाया गया है। आइए इस बारे में डिटेल में समझते हैं।

कुछ लोगों के बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। अक्सर इसे बढ़ती उम्र से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन कई मामलों में कम उम्र में भी बालों की रंगत बदलने लगती है। बालों का प्राकृतिक रंग मेलेनिन नामक पिगमेंट से तय होता है, जिसे शरीर की विशेष सेल्स बनाते हैं। जब इन सेल्स का काम प्रभावित होता है, तो बाल धीरे-धीरे सफेद होने लग सकते हैं। हालांकि समय से पहले बाल सफेद होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। हाल के वर्षों में तनाव और बालों की सेहत के बीच संबंध को लेकर भी कई शोध किए गए हैं। हालांकि हर व्यक्ति में इसका असर अलग-अलग हो सकता है।

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और मानसिक तनाव कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में लोग यह भी जानना चाहते हैं कि क्या तनाव का असर बालों की सेहत पर पड़ सकता है। समय से पहले बाल सफेद होने के पीछे केवल एक कारण जिम्मेदार नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई कारक मिलकर भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि तनाव कैसे समय से पहले बाल सफेद होने का कारण बन सकता है, इसके पीछे और कौन से कारण जिम्मेदार हो सकते हैं और बालों की सेहत बनाए रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (NIH) के अनुसार, तनाव और समय से पहले बाल सफेद होने के बीच संबंध हो सकता है। स्टडी में पाया गया कि अधिक तनाव शरीर की उन स्टेम सेल्स को प्रभावित कर सकता है, जो बालों को रंग देने वाली मेलेनोसाइट सेल्स बनाती हैं। जब ये स्टेम सेल्स कम हो जाती हैं या खत्म होने लगती हैं, तो बालों में मेलेनिन बनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और बाल समय से पहले सफेद दिखाई देने लगते हैं।

हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि तनाव ही हर व्यक्ति में सफेद बालों का एकमात्र कारण है। हर व्यक्ति के शरीर की प्रतिक्रिया अलग होती है। कुछ लोगों में लंबे समय तक मानसिक तनाव का असर बालों की सेहत पर ज्यादा दिखाई दे सकता है, जबकि कुछ में नहीं। तनाव के साथ अन्य स्वास्थ्य और जेनेटिक कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए अगर कम उम्र में तेजी से बाल सफेद होने लगें, तो केवल तनाव को जिम्मेदार मानने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेकर सही कारण का पता लगाना चाहिए।

समय से पहले बाल सफेद होने के पीछे और कौन-से कारण जिम्मेदार हो सकते हैं?

तनाव के अलावा जेनेटिक फैक्टर समय से पहले बाल सफेद होने का सबसे आम कारण माना जाता है। अगर परिवार में कम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या रही है, तो इसकी संभावना बढ़ सकती है। इसके अलावा शरीर में विटामिन बी12, आयरन, कॉपर और फोलेट जैसे पोषक तत्वों की कमी, थायरॉयड से जुड़ी समस्याएं, कुछ ऑटोइम्यून बीमारियां, धूम्रपान और खराब लाइफस्टाइल भी बालों की रंगत को प्रभावित कर सकती हैं। कुछ मामलों में लंबे समय तक पोषण की कमी या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का असर भी बालों पर दिखाई दे सकता है। अगर कम उम्र में अचानक बड़ी संख्या में बाल सफेद होने लगें, तो डॉक्टर से जांच कराना बेहतर होता है।

बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाने के लिए क्या करें?

बालों की सेहत बनाए रखने के लिए संतुलित और पौष्टिक डाइट लें, जिसमें विटामिन, आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में हों। पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग, मेडिटेशन या नियमित व्यायाम जैसी आदतें अपनाएं। धूम्रपान से बचें और बालों पर बार-बार कठोर केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करें। बालों और स्कैल्प की नियमित देखभाल भी जरूरी है। अगर कम उम्र में तेजी से बाल सफेद होने लगें या इसके साथ बाल झड़ना, थकान या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी हों, तो डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी जांच करानी चाहिए।

खाना खाने के तुरंत बाद पीते हैं चाय, ये शरीर के लिए सही या गलत

भारतीयों में अधिकतर लोगों की सुबह चाय के बिना नहीं होती। अगर ये उठते ही न मिले तो कई लोगों को सिर में दर्द होने लगता है। वैसे इसे पीने के तरीके भी लोगों के काफी अलग हैं। इनमें से एक ये भी है कि कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद चाय की चुस्की को एंजॉय करते हैं। पर क्या आपने सोचा है कि खाते ही चाय को पीने से हमारे शरीर में क्या होता है? कहीं इससे शरीर को नुकसान तो नहीं होता है। लोगों को ये बहुत नॉर्मल लगता है कि खाते ही चाय पीने से भला शरीर में क्या होगा? चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं कि ऐसा करना सही है या गलत? जानें।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट का कहना है कि हम जो खाना कंज्यूम करते हैं, उस खाने में विटामिन्स और मिनरल्स प्रेजेंट होते हैं, जिनमें से कुछ आयरन, कैल्शियम और जिंक मिनरल्स के नाम भी शामिल हैं। वहीं चाय में कुछ नैचुरल कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जैसे कि टैनिन और पॉलिफिनॉल्स। एक्सपर्ट ने बताया जब हम खाने के बाद तुरंत चाय लेते हैं, तो टी में मौजूद टैनिन हमारे खाने में प्रेज़ेंट आयरन के साथ बाइंड करते हैं और इस आयरन का अब्जॉर्प्शन कम कर देते हैं। सिर्फ आयरन नहीं, बल्कि जिंक और कैल्शियम के साथ भी ये टैनिन बाइंड करके इनका अब्जॉर्प्शन कम कर सकते हैं।

होते हैं ये नुकसान

उन्होंने बताया कि खाने के बाद तुरंत चाय लेने से एक और नुकसान है कि पेट का फूलना, जिसे हम ब्लोटिंग बोलते हैं और एसिड रिफ्लक्स जैसी पेट से जुड़ी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। दरअसल, टैनिन्स एसिड रिफ्लक्स को बढ़ा सकते हैं। एक्सपर्ट ने चाय को पीने से जुड़े और भी नुकसान बताए। उनके मुताबिक इसमें कैफीन भी प्रेज़ेंट होता है और ये हमारी नींद में डिस्टर्बेंस कर सकता है।

इतनी देर बाद पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन है तो आपको ये जान लेना चाहिए कि खाना या किसी चीज को खाने के कितनी देर बाद चाय पीनी चाहिए। आइडियली हमें कम से कम एक घंटा वेट करके ही चाय का कंजम्शन करना चाहिए। इसके अलावा लोगों को चाय के साथ नमकीन चीजों को खाने से बचना चाहिए। भारतीयों में ज्यादातर चाय के साथ आलू के पराठे खाना पसंद करते हैं। ये तरीका एसिडिटी और ब्लोटिंग की वजह बन सकता है। सुबह के नाश्ते में ऐसा किया जाना सबसे कॉमन है और ऐसी गलती करने वाले लोगों को पूरा दिन सीने में जलन परेशान करती है। वैसे ये भी कहा जाता है कि चाय को पीने से कुछ देर पहले पानी पी लिया जाए तो ये एसिडिटी या ब्लोटिंग नहीं करती है।

स्वादिष्ट शाकाहारी सैंडविच के लिए आजमाएं ये 5 रेसिपी, आसान है बनाना

सैंडविच एक ऐसा व्यंजन है, जो हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसे बनाना भी आसान है। आज हम आपको कुछ ऐसे शाकाहारी सैंडविच की रेसिपी बताएंगे, जो आपके खाने के स्वाद को बढ़ा देंगे और आपको नई-नई चीजें खाने का मजा देंगे। इन सैंडविच को आप नाश्ते, दोपहर के खाने या शाम की चाय के साथ खा सकते हैं।

पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच एक बेहतरीन विकल्प है जब आप कुछ मसालेदार और सेहतमंद खाना चाहते हैं। इसके लिए आपको पनीर के टुकड़े, दही, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और गरम मसाला की जरूरत होगी। इन सभी मसालों को मिलाकर पनीर के टुकड़ों पर लगाएं और उन्हें कुछ देर के लिए रख दें। इसके बाद ब्रेड के टुकड़ों पर यह मिश्रण फैलाएं और दूसरी ब्रेड से ढक दें। फिर तवे पर सेंककर गर्मागर्म परोसें।

सब्जियों का सैंडविच

सब्जियों का सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़े लें और उन पर मलाई फैलाएं। अब इनमें कटे हुए खीरे, टमाटर, प्याज, गाजर और सलाद पत्ता डालें। आप इसमें अपनी पसंदीदा सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं जैसे शिमला मिर्च, मकई आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट सब्जियों का सैंडविच तैयार है।

आलू का चाट मसाला सैंडविच

आलू का चाट मसाला सैंडविच बनाने के लिए उबले हुए आलू को मैश करके उसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा सा अमचूर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ब्रेड के टुकड़ों पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें। इसके बाद सैंडविच को तवे पर सेंकें जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। आपका स्वादिष्ट आलू का चाट मसाला सैंडविच तैयार है।

हरी चटनी वाला सैंडविच

हरी चटनी वाला सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले हरी धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन और नमक मिलाकर चटनी तैयार करें। अब ब्रेड के टुकड़े लें और उनमें यह चटनी फैलाएं। आप इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां जैसे खीरा, टमाटर, प्याज आदि भी शामिल कर सकते हैं। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट हरी चटनी वाला सैंडविच तैयार है।

मसालेदार टोस्ट सैंडविच

मसालेदार टोस्ट सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़ों पर मक्खन लगाएं। अब इसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और थोड़ा सा नमक डालें। आप इसमें अपनी पसंदीदा मसालेदार चीजें भी शामिल कर सकते हैं जैसे चटनी या टमाटर की चटनी आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट मसालेदार टोस्ट सैंडविच तैयार है।

5000 रुपये का है बजट, मानसून में घूमने का है प्लान, दिल्ली-एनसीआर वाले यहां जाएं

मानसून आते ही घूमने का प्लान बनाने वालों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में कई लोग वीकेंड पर कम बजट में ट्रिप का प्लान बनाते हैं। दिल्ली–एनसीआर के आसपास कई खूबसूरत जगहें हैं, जहां 5000 रुपये के बजट में आराम से घूमने जाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

बारिश के दौरान हरियाली, ठंडी हवाएं और सुहावना मौसम छोटी-सी ट्रिप को भी यादगार बना देते हैं। ऐसे में कई लोग वीकेंड पर कम बजट में कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। अच्छी बात यह है कि दिल्ली-एनसीआर के आसपास कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं, जहां बिना ज्यादा खर्च किए आराम से जाया जा सकता है। सही प्लानिंग के साथ यात्रा, खाने-पीने और घूमने का खर्च भी आसानी से मैनेज किया जा सकता है। अगर आप भी मानसून में परिवार या दोस्तों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो दूर जाने की जरूरत नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर से कुछ घंटों की दूरी पर कई ऐसे डेस्टिनेशन मौजूद हैं, जहां हरियाली, प्राकृतिक नजारे और शांत माहौल का आनंद लिया जा सकता है। इनमें प्रकृति प्रेमियों, इतिहास में रुचि रखने वालों और वीकेंड ट्रिप पसंद करने वाले लोगों के लिए कई अच्छे विकल्प हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि दिल्ली-एनसीआर से कम दूरी पर कौन-सी जगहें मानसून में घूमने के लिए बेहतरीन हैं, कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें और यात्रा के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दमदमा लेक (गुरुग्राम)

दिल्ली से करीब 1 से 1.5 घंटे की दूरी पर स्थित दमदमा लेक मानसून में हरियाली और शांत माहौल के लिए जानी जाती है। यहां बोटिंग, नेचर वॉक और पिकनिक का आनंद लिया जा सकता है। वीकेंड पर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए यह एक अच्छा विकल्प है।

नीमराना (राजस्थान)

दिल्ली से लगभग 2 से 2.5 घंटे में पहुंचा जा सकता है। नीमराना अपने ऐतिहासिक किले और खूबसूरत हेरिटेज माहौल के लिए प्रसिद्ध है। मानसून में यहां की हरियाली और किले का नजारा और भी आकर्षक हो जाता है। इतिहास और फोटोग्राफी पसंद करने वालों के लिए यह शानदार जगह है।

ओखला बर्ड सैंक्चुअरी (नोएडा)

दिल्ली से 30 से 45 मिनट में पहुंचा जा सकता है। यह जगह पक्षी प्रेमियों और प्रकृति के बीच समय बिताने वालों के लिए खास है। मानसून में यहां हरियाली बढ़ जाती है और कई तरह के पक्षियों को देखने का मौका मिलता है।

सोहना (हरियाणा)

दिल्ली से करीब 1.5 से 2 घंटे की दूरी पर स्थित सोहना अरावली की पहाड़ियों और प्राकृतिक वातावरण के लिए जाना जाता है। मानसून में यहां का मौसम काफी सुहावना हो जाता है। यह कम समय में घूमने के लिए एक बेहतरीन वीकेंड डेस्टिनेशन है।

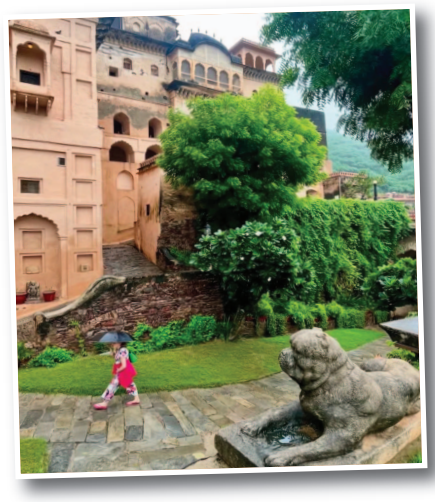

सुल्तानपुर नेशनल पार्क (गुरुग्राम)

दिल्ली से लगभग 1 से 1.5 घंटे की दूरी पर स्थित यह नेशनल पार्क प्रकृति और बर्ड वॉचिंग के लिए प्रसिद्ध है। मानसून के दौरान यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और भी निखर जाता है। शांत वातावरण में कुछ समय बिताने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है।

5,000 रुपये के बजट में मानसून ट्रिप कैसे करें प्लान?

अगर आप कम बजट में मानसून ट्रिप करना चाहते हैं, तो पहले से योजना बनाना बेहतर रहता है। बस, ट्रेन या कारपूल जैसे किफायती यात्रा विकल्प चुनें। अगर रात रुकने का प्लान है, तो बजट होटल या होमस्टे पहले से बुक कर लें।

खाने के लिए स्थानीय और बजट-फ्रेंडली जगहों का चुनाव करें। यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और जरूरत के अनुसार खर्च तय करें। सही प्लानिंग के साथ कम बजट में भी आरामदायक और यादगार वीकेंड ट्रिप की जा सकती है।

मानसून में इन जगहों पर घूमते समय किन बातों का ध्यान रखें?

मानसून में यात्रा के दौरान मौसम का अपडेट जरूर देखें और बारिश से बचने के लिए छाता या रेनकोट साथ रखें। फिसलन वाली जगहों पर सावधानी से चलें और आरामदायक जूते पहनें। पीने के लिए साफ पानी साथ रखें और बाहर का अस्वच्छ खाना खाने से बचें। इलेक्ट्रॉनिक सामान को वाटरप्रूफ बैग में रखें।

अगर भारी बारिश या खराब मौसम की चेतावनी हो, तो यात्रा की योजना में बदलाव करना बेहतर होता है। इससे आपकी ट्रिप सुरक्षित और आरामदायक बनी रहेगी।

दुनियाभर की मंदी के बीच दौड़ेगी इंडियन इकोनॉमी! 150 साल पुराने बैंक ने की बड़ी भविष्यवाणी

गोल्डमैन सैक्स ने भारत के मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल्स, घरेलू मांग और निवेश में सुधार को देखते हुए अगले वित्त वर्ष (FY27) के लिए देश की आर्थिक विकास दर के अनुमान को संशोधित कर 6 .5% कर दिया है। रिपोर्ट में सबसे बड़ी राहत की बात यह कही गई है कि आने वाले समय में खुदरा महंगाई के स्तर में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में कटौती करने का मौका मिल सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने 25 जून को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की तेजी से बढ़ने की संभावना है क्योंकि अमेरिका-ईरान समझौते में पश्चिम एशिया में शांति का वादा किया गया है। ग्लोबल इंवेस्टमेंट बैंक की अनुसंधान शाखा ने पहले अनुमान लगाया था कि इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच वॉर के बाद चालू वित्त वर्ष में इकोनॉमी 6।1 प्रतिशत बढ़ेगी, जिसके कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया था। एजेंसी ने "भारतः US-ईरान डील के बाद बेहतर मैक्रो आउटलुक" नाम की अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुल मिलाकर, कैलेंडर ईयर 2026 की दूसरी तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ हमारी पिछली उम्मीदों से ज्यादा रही है। इसके साथ ही, हमारी कमोडिटी टीम ने तेल की कीमतों के अनुमान में भी कटौती की है। इस स्ट्रेट का भारत के कुल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा और इसके एनर्जी इंपोर्ट का 60 फीसदी से अधिक हिस्सा था।

कच्चे तेल अनुमान में गिरावट

भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत लगातार तीन महीनों से 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रही थी और जून में गिरकर 86।31 डॉलर पर आ गई है। 24 जून को भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत 70।71 डॉलर प्रति बैरल थी। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि संतुलन पर, हमारी कमोडिटी टीम द्वारा हाल ही में तेल की कीमत के पूर्वानुमान में गिरावट के साथ, कैलेंडर ईसर 2026 की तीसरी-चौथी तिमाही में 82 डॉलर प्रति बैरल औसत, बनाम पहले 92 डॉलर प्रति बैरल और कैलेंडर ईयर 2027 में 75 डॉलर प्रति बैरल औसत, बनाम 80 डॉलर प्रति बैरल, हमने कैलेंडर ईयर 2026 के लिए अपनी रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमार 0.3 बेसिस प्वाइंट्स बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। वित्त वर्ष 2027 महामारी के बाद पहला वर्ष होगा जब भारतीय अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत से कम रह सकती है। अधिक खपत और निवेश के दम पर इकोनॉमी ने वित्त वर्ष 2026 में 7।7 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली थी।

महंगाई के अनुमान में भी कमी

गोल्डमैन सैक्स ने भारत में महंगाई के अनुमान में भी कटौती की है। इंवेस्टमेंट बैंक के अनुसार भारत के महंगाई का अनुमान 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल यूरिया की कीमतों में तेज सुधार से खाद सब्सिडी बिल में हमारी पिछली उम्मीदों के विपरीत जोखिम कम होना चाहिए। हाल के इंपोर्ट टेंडर मध्य पूर्व के झटके के चरम के दौरान देखी गई ऊंचाई से काफी नीचे चले गए हैं, और कम तेल की कीमतों के साथ, निकट अवधि के राजकोषीय दबाव को कम करने में मदद मिलनी चाहिए। हालांकि, एजेंसी ने निकट अवधि में मौसम संबंधी अनिश्चितताओं से मांग पर असर पड़ने की चेतावनी दी है।

क्या ब्याज दरों में होगा इजाफा?

उम्मीद है कि अमेरिका-ईरान समझौते से भू-राजनीतिक जोखिम कम होने और कच्चे तेल की कीमतें कम होने से भारत की आर्थिक स्थिरता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका-ईरान शांति समझौते से प्रेरित तेल की कम कीमतों से भारत में महंगाई के दबाव को कम करने की उम्मीद है, जिससे संभावित रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 27 तक ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखेगा। वित्त वर्ष 2027 से परे, भारत की वृद्धि निरंतर घरेलू मांग, निर्यात लचीलेपन और ग्रामीण टेलविंड से प्रभावित हो सकती है। उदाहरण के लिए, ऑटोमोबाइल क्षेत्र को इन कारकों से लाभ होने की उम्मीद है। एजेंसी को अब भी उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक 2026 में दो किस्तों में 50 बीपीएस की दर में बढ़ोतरी करेगा।

पूरी दुनिया में गूंजा भारत का डंका! $110 बिलियन रेवेन्यू के साथ एशिया की सबसे बड़ी 'ग्रीन सुपरपावर' बना भारत

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के ग्रीन बिजनेस (सोलर, विंड एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर) ने 110 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू जेनरेट किया है। भारत न सिर्फ तेजी से अपनी कार्बन निर्भरता कम कर रहा है, बल्कि ग्रीन टेक्नोलॉजी को एक बेहद मुनाफे वाले बिजनेस मॉडल में बदल चुका है, जिससे विदेशी निवेश (FDI) भी तेजी से बढ़ रहा है।

लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप यानी LSEG की 'इन्वेस्टिंग इन द ग्रीन इकॉनमी 2026' रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत ने ग्रीन रेवेन्यू से 110 बिलियन डॉलर कमाए। इससे भारत एशिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती ग्रीन इकॉनमी में से एक बन गया है, भले ही इसका साइज अपेक्षाकृत छोटा है। लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप की कंपनी, जो फाइनेंशियल मार्केट डेटा और इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस देती है, की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का ग्रीन रेवेन्यू 20 प्रतिशत की पांच-साल की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (CAGR) से बढ़ा। यह इसी अवधि में एशिया की कुल ग्रीन रेवेन्यू ग्रोथ (12 फीसदी) और ग्लोबल मार्केट की ग्रोथ (10 फीसदी CAGR) से ज्यादा है।

हालांकि चीन और जापान जैसे क्षेत्रीय लीडर्स की तुलना में भारत अभी भी एक छोटी ग्रीन इकॉनमी है, लेकिन रिपोर्ट से पता चलता है कि देश कुछ खास ग्रीन सेक्टर में मजबूत स्थिति बना रहा है। LSEG के अनुसार, बायोगैस एनर्जी इक्विपमेंट में एशिया के ग्रीन रेवेन्यू का 87 प्रतिशत और एडवांस्ड इरिगेशन सिस्टम और डिवाइस में 75 प्रतिशत हिस्सा भारत का था। ये नतीजे दिखाते हैं कि एग्रीकल्चर, रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर, वेस्ट-टू-एनर्जी और डिसेंट्रलाइज्ड एनर्जी सिस्टम से जुड़े ग्रीन इकॉनमी सेक्टर में भारत की मौजूदगी बढ़ रही है, भले ही एशिया में देश का कुल ग्रीन रेवेन्यू बेस अभी भी कम है।

एशियाई कंपनियों का हिस्सा 47 प्रतिशत

एशिया दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन-रेवेन्यू वाले क्षेत्र के रूप में उभरा है। 2025 में ग्लोबल ग्रीन रेवेन्यू में एशियाई कंपनियों का हिस्सा 47 प्रतिशत था, जिसमें चीन, जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया सबसे आगे रहे। यह क्षेत्र एनर्जी इक्विपमेंट, ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट, वेस्ट और पॉल्यूशन कंट्रोल, इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे ग्रीन सेक्टर में अहम भूमिका निभाता है। एशिया में चीन सबसे बड़ी ग्रीन इकॉनमी बना हुआ है, जिसका क्षेत्र के ग्रीन रेवेन्यू में 41 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद जापान (28 प्रतिशत), हांगकांग (10 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (6 प्रतिशत) और ताइवान (5 प्रतिशत) का स्थान है। रिपोर्ट के अनुसार, एशिया के ग्रीन रेवेन्यू में भारत का हिस्सा लगभग 4 प्रतिशत था।

किस देश ने किया कितना निवेश

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एशिया क्लीन-एनर्जी इन्वेस्टमेंट के लिए सबसे बड़ा डेस्टिनेशन है। चीन ने रिन्यूएबल्स, एनर्जी स्टोरेज, न्यूक्लियर और एनर्जी एफिशिएंसी में लगभग 625 बिलियन डॉलर का निवेश किया, जबकि भारत ने क्लीन-एनर्जी में लगभग 100 बिलियन डॉलर का निवेश किया, जो उसके पावर-सेक्टर कैपिटल एलोकेशन का 83 प्रतिशत था। हालांकि, रिपोर्ट में क्लीन-एनर्जी की ग्रोथ और एनर्जी सिक्योरिटी के बीच संतुलन बनाने की चुनौती की ओर भी इशारा किया गया है। एशिया अभी भी इंपोर्ट किए गए फॉसिल फ्यूल (खासकर मिडिल ईस्ट से) पर बहुत ज्यादा निर्भर है और दुनिया भर में कोयले की मांग को बढ़ा रहा है। इसमें चीन सबसे आगे है, जिसके बाद भारत और साउथ-ईस्ट एशिया का नंबर आता है।

तेजी के साथ बढ़ रहा भारत

भारत के लिए, रिपोर्ट की बातें एक दोहरी तस्वीर दिखाती हैं: देश अभी भी एशिया के लिस्टेड ग्रीन रेवेन्यू पूल में एक छोटा प्लेयर है, लेकिन यह क्षेत्र के ज्यादातर दूसरे देशों की तुलना में तेज़ी से बढ़ रहा है और इसने बायोगैस एनर्जी इक्विपमेंट और एडवांस्ड इरिगेशन सिस्टम जैसे कुछ खास सेगमेंट में लीडरशिप हासिल कर ली है। रिपोर्ट में ग्रीन रेवेन्यू को उन लिस्टेड कंपनियों से मिलने वाली कमाई के तौर पर बताया गया है जो ग्रीन इकॉनमी में योगदान देने वाले प्रोडक्ट्स और सर्विसेज से कमाई करती हैं। LSEG ने कहा कि उसका ग्रीन रेवेन्यू डेटा अप्रैल 2026 तक का

अगले साल भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप, रूबियो बोले- ट्रेड डील भी होने वाली है फाइनल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल (2027) की शुरुआत में भारत दौरे पर आएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा, ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। मैं राष्ट्रपति के दौरे को अंतिम रूप देने के लिए भारत जा रहा हूं।

रूबियो ने कहा, ट्रंप और मोदी के संबंध अच्छे हैं। भारत अमेरिका और वेनेजुएला से बातचीत कर रहा है। हम सप्लाई बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। रूबियो ने ये भी कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द ही फाइनल होने वाली है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनमें भारी कच्चे तेल को रिफ़ाइन करने की क्षमता है। ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी के प्रशंसक है। पीएम

मोदी ने भारत को एक वैश्विक शक्ति बनाया है।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के करीब हैं और अब बस कुछ ही मुद्दों को सुलझाना बाकी है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका असीम संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार हैं। गोर ने आगे कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच करीबी व्यक्तिगत संबंध भारत-अमेरिका रिश्तों की नींव हैं और दोनों नेता एक जैसा सोचते हैं।

ट्रंप ने पिछली बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था, जब वे अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल हुए थे। ट्रंप और पीएम मोदी लगातार संपर्क में रहे हैं। हाल ही में दोनों नेताओं की मुलाकात फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान हुई थी। पीएम मोदी के साथ मुलाकात में ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील पर सहमत होने के करीब हैं। पिछले साल ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था। हाल ही में अमेरिकी सेना द्वारा तीन भारतीय नाविकों की हत्या ने रिश्तों को और मुश्किल बना दिया। ये नाविक ओमान की खाड़ी में एक हमले में मारे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने G7 समिट में ट्रंप के साथ हुई अपनी मुलाकात में होर्मुज में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था।

दोनों नेताओं ने ट्रेड डील पर भी बातचीत की। पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने मोदी को सख़्त बातचीत करने वाला बताया और जल्द ही भारत का दौरा करने का वादा किया। अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि अगर भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका उसकी मदद करेगा। मोदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई उस व्यक्ति पर हमला करता है, तो हम वहां मौजूद रहेंगे, लेकिन अगर कोई नया नेता आता है, तो मुझे इसके बारे में कुछ नहीं कह सकता। पिछले साल फरवरी में पीएम मोदी अमेरिका दौरे पर गए थे। उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। तब से उनके बीच कई बार फ़ोन पर बातचीत हुई, लेकिन मुलाकात लंबे समय के बाद फ्रांस में हुई।

नीदरलैंड में पहली बार 12 साल से कम उम्र के बच्चे को इच्छामृत्यु, डॉक्टर की होगी जांच

नीदरलैंड। नीदरलैंड में पहली बार 12 साल से कम उम्र के एक बच्चे को कानूनी इच्छामृत्यु (यूथेनेशिया) दी गई है। यह पहला मामला है, जो 2024 में कानून बदलने के बाद सामने आया है। नए नियमों के तहत 1 से 12 साल की उम्र के उन बच्चों को इच्छामृत्यु दी जा सकती है, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित हों, असहनीय दर्द झेल रहे हों और जिनके ठीक होने की कोई उम्मीद न हो। नीदरलैंड की स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमंस ने बताया कि यह बच्चा पिछले साल इच्छामृत्यु के जरिए दुनिया से विदा हुआ। हालांकि, उन्होंने बच्चे की उम्र, पहचान या बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह जानकारी संसद में सरकार की सालाना रिपोर्ट पेश करते समय दी। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि अब इस मामले की जांच सरकारी वकील करेंगे। वे देखेंगे कि इच्छामृत्यु करने वाले डॉक्टर ने कानून में तय सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया या नहीं।

नीदरलैंड सरकार ने 2024 में कानून में बदलाव किया था। इसके बाद 1 से 12 साल तक के बच्चों को भी कुछ खास परिस्थितियों में इच्छामृत्यु की अनुमति मिल गई। सरकार ने साफ किया है कि इच्छामृत्यु सिर्फ गंभीर मेडिकल कंडिशन पर ही दी जा सकती है। सिर्फ यह महसूस करना कि जीवन पूरा हो चुका है या अब जीने का मन नहीं है, इच्छामृत्यु की अनुमति पाने का आधार नहीं है।

इच्छामृत्यु देने से पहले डॉक्टरों को कई कानूनी शर्तें पूरी करनी होती हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि मरीज का दर्द असहनीय है, उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है और उसे उसकी बीमारी की पूरी जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी देखना होता है कि इलाज का कोई दूसरा उचित विकल्प मौजूद नहीं है। डॉक्टर को एक स्वतंत्र डॉक्टर की राय भी लेनी होती है और पूरी प्रक्रिया बहुत सावधानी से पूरी करनी होती है। 12 साल से कम उम्र के मरीज के उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति लेना जरूरी है। जब यह कानून बनाया गया था, तब सरकार ने अनुमान लगाया था कि हर साल लगभग 5 से 10 बच्चों पर यह नियम लागू हो सकता है। नीदरलैंड में पहले से एक साल से कम उम्र के शिशुओं और 12 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति थी। लेकिन 1 से 12 साल के बच्चों को यह अधिकार नहीं था। ऐसे बच्चों को सिर्फ दर्द कम करने वाला इलाज दिया जाता था या फिर प्राकृतिक मृत्यु का इंतजार किया जाता था। 12 से 15 साल के बच्चों के लिए इच्छामृत्यु कराने में माता-पिता या अभिभावक की मंजूरी जरूरी होती है। वहीं 16 और 17 साल के किशोर खुद फैसला ले सकते हैं, हालांकि उनके माता-पिता को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाता है।

नीदरलैंड में पहली बार 12 साल से कम उम्र के बच्चे को इच्छामृत्यु, डॉक्टर की होगी जांच

नीदरलैंड। नीदरलैंड में पहली बार 12 साल से कम उम्र के एक बच्चे को कानूनी इच्छामृत्यु (यूथेनेशिया) दी गई है। यह पहला मामला है, जो 2024 में कानून बदलने के बाद सामने आया है। नए नियमों के तहत 1 से 12 साल की उम्र के उन बच्चों को इच्छामृत्यु दी जा सकती है, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित हों, असहनीय दर्द झेल रहे हों और जिनके ठीक होने की कोई उम्मीद न हो।

नीदरलैंड की स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमंस ने बताया कि यह बच्चा पिछले साल इच्छामृत्यु के जरिए दुनिया से विदा हुआ। हालांकि, उन्होंने बच्चे की उम्र, पहचान या बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह जानकारी संसद में सरकार की सालाना रिपोर्ट पेश करते समय दी। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि अब इस मामले की जांच सरकारी वकील करेंगे। वे देखेंगे कि इच्छामृत्यु करने वाले डॉक्टर ने कानून में तय सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया या नहीं।

नीदरलैंड सरकार ने 2024 में कानून में बदलाव किया था। इसके बाद 1 से 12 साल तक के बच्चों को भी कुछ खास परिस्थितियों में इच्छामृत्यु की अनुमति मिल गई। सरकार ने साफ किया है कि इच्छामृत्यु सिर्फ गंभीर मेडिकल कंडिशन पर ही दी जा सकती है। सिर्फ यह महसूस करना कि जीवन पूरा हो चुका है या अब जीने का मन नहीं है, इच्छामृत्यु की अनुमति पाने का आधार नहीं है।

इच्छामृत्यु देने से पहले डॉक्टरों को कई कानूनी शर्तें पूरी करनी होती हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि मरीज का दर्द असहनीय है, उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है और उसे उसकी बीमारी की पूरी जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी देखना होता है कि इलाज का कोई दूसरा उचित विकल्प मौजूद नहीं है। डॉक्टर को एक स्वतंत्र डॉक्टर की राय भी लेनी होती है और पूरी प्रक्रिया बहुत सावधानी से पूरी करनी होती है। 12 साल से कम उम्र के मरीज के उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति लेना जरूरी है। जब यह कानून बनाया गया था, तब सरकार ने अनुमान लगाया था कि हर साल लगभग 5 से 10 बच्चों पर यह नियम लागू हो सकता है। नीदरलैंड में पहले से एक साल से कम उम्र के शिशुओं और 12 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति थी। लेकिन 1 से 12 साल के बच्चों को यह अधिकार नहीं था। ऐसे बच्चों को सिर्फ दर्द कम करने वाला इलाज दिया जाता था या फिर प्राकृतिक मृत्यु का इंतजार किया जाता था। 12 से 15 साल के बच्चों के लिए इच्छामृत्यु कराने में माता-पिता या अभिभावक की मंजूरी जरूरी होती है। वहीं 16 और 17 साल के किशोर खुद फैसला ले सकते हैं, हालांकि उनके माता-पिता को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाता है।

अमेरिका के हमले के बाद वेंस की चेतावनी, ईरान बोला- फिर हमला हुआ तो जवाब और बड़ा होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हालिया सैन्य हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अगर ईरान दोबारा हमला करता है, तो अमेरिका भी उसी तरह जवाब देगा। वहीं, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने फिर हमला किया, तो इस बार जवाब पहले से कहीं ज्यादा बड़ा और सख्त होगा।

जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि ईरान ने सीजफायर समझौते पर साइन किए थे और अमेरिका ने उसका पूरी तरह पालन किया है। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को लेकर ईरान को कोई शिकायत है, तो वह बातचीत कर सकता है। लेकिन अगर वह हिंसा का रास्ता अपनाता है, तो अमेरिका भी

उसी तरह जवाब देगा। दरअसल, 2 दिन पहले होर्मुज स्ट्रेट में एक कार्गो जहाज पर ड्रोन हमला हुआ था, जिसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया।

अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप

ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, IRGC ने कहा कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में उन जगहों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। IRGC ने कहा कि अगर अमेरिका फिर से हमला करेगा, तो ईरान का जवाब इससे भी ज्यादा बड़ा और ताकतवर होगा।

IRGC ने अमेरिका पर युद्धविराम तोड़ने का भी आरोप लगाया। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिकी कार्रवाई को युद्धविराम का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दिखा दिया है कि उन्हें बातचीत और युद्धविराम के नियमों का सम्मान नहीं है।

ईरान की ताकत कमजोर हुई: ट्रंप

वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हालिया अमेरिकी और इजराइली सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अभी "कुछ सैन्य क्षमता" बाकी है, लेकिन वह पहले जैसी नहीं रही। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ऐसा ऐतिहासिक समझौता किया है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना की कार्रवाई के बाद ईरान के पास अब न नौसेना बची है, न वायुसेना, न हवाई सुरक्षा प्रणाली, न रडार और न ही लगभग कोई सैन्य उत्पादन क्षमता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की ड्रोन क्षमता 82%, मिसाइल क्षमता 80% और रॉकेट लॉन्चर 90% तक घट गए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के कई शीर्ष नेता मारे जा चुके हैं और अब वहां कोई भी नेतृत्व की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है।

गाजा और ईरान-अमेरिका जंग पर सोनिया गांधी ने सरकार को घेरा, विदेश नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सभापति सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर तीखा हमला किया है। उन्होंने इस मसले पर इंडियन एक्सप्रेस में एक लेख लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि ईरान-अमेरिका तनाव के बीच भारत मध्यस्थता की भूमिका निभा रहा होता तो पाकिस्तान की पूछ नहीं की जाती। सोनिया गांधी ने लेख लिख कर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि हम इजराइल के रणनीतिक दायरे में और गहरे धंसते जा रहे हैं, जबकि दुनिया उससे दूर हो रही है। ऐसे हालात में प्रधानमंत्री का इजराइल दौरा और वो भी ईरान के खिलाफ इजराइल की जंग और उसके टॉप राजनीतिक नेताओं की हत्या से कुछ दिन पहले, इतिहास में एक हैरान करने वाले रणनीतिक फैसले के तौर पर दर्ज होगा।

उन्होंने कहा कि हमने फिलिस्तीन, ईरान और पूरे मध्य पूर्व में अपने पुराने सहयोगियों से दूरी बना ली है। हमने वैश्विक जनमत से भी खुद को दूर कर लिया है और हमने पाकिस्तान – एक ऐसा देश जो खतरनाक आतंकवादियों को पनाह देता रहा है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका हथियाने का मौका दे दिया है; जबकि सभी पक्षों के साथ हमारे पुराने दोस्ताना रिश्तों की वजह से इस भूमिका पर हमारा स्वाभाविक हक बनता था। सोनिया गांधी ने कहा कि अपने रणनीतिक हितों और नैतिकता की बलि देकर हमें प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू की दोस्ती के अलावा कुछ नहीं मिला, जबकि नेतन्याहू की अब अमेरिका समेत पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है।

गाजा पर भारत की चुप्पी पर सवाल

सोनिया गांधी ने गाजा में मानवीय संकट पर केंद्र सरकार की चुप्पी की आलोचना की। उन्होंनेने कहा कि गाजा पर भारत का मौन उसकी नैतिक और कूटनीतिक विरासत के विपरीत है। लेख में भारत से अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकारों के पक्ष में स्पष्ट रुख अपनाने की अपील की गई। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत अपनी ऐतिहासिक विदेश नीति से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है। लेख में फिलिस्तीन के प्रति भारत के पारंपरिक समर्थन को बनाए रखने की वकालत की गई है। सोनिया गांधी ने गाजा में तत्काल युद्धविराम और मानवीय सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया। लेख में कहा गया कि गाजा पर भारत की चुप्पी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके नेतृत्व की छवि को प्रभावित कर सकती है। सोनिया गांधी ने लिखा कि भारत को न्याय, शांति और मानवता के पक्ष में खुलकर आवाज उठानी चाहिए।

मन करता है आत्महत्या कर लूं पद से हटाए जाने के बाद बोले पीएमसीएच के प्रिंसिपल

पटना, एजेंसी। बिहार की स्वास्थ्य सेवा खस्ताहालत का खुद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने अपनी आंखों से देखा। ऐसे में उन्होंने PMCH के प्रिंसिपल पर बड़ा एक्शन लिया और डॉ। नरेंद्र को उनके पद से हटा दिया। मामला तूल पकड़ने लगा और बयानबाजियां शुरू हो गईं। PMCH के प्रिंसिपल पद से हटाए जाने पर अपने बचाव में नरेंद्र प्रताप ने कहा कि इस फैसले से उनकी गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि ये बहुत अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर या पदाधिकारी के तौर पर, मैं खुद को एक जाना-माना और सम्मानित व्यक्ति मानता हूं। उन्होंने कहा कि मन कहता है आत्महत्या कर लूं।

उन्होंने कहा कि दुनिया मुझे जानती और पहचानती है। मेरा एक गौरवशाली इतिहास रहा है। 2018-2019 में, इसी सरकार के कार्यकाल में (जो 20 साल से सत्ता में है), उस समय के अधिकारी संजय कुमार ने मुझे सस्पेंड कर दिया था, जब मंगल पांडे मंत्री थे। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने तीन हफ्ते के अंदर ही इसे दुर्भावनापूर्ण (mala fide) करार दिया था। इसके बाद, सभी छात्र सड़कों पर उतर आए और मार्च किया, यह कहते हुए कि यह गलत था।"

इस मामले में राज्य के डिप्टी सीएम बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सरकार और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का बचाव किया। JD(U) मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि वह सरकार के बताए गए रुख से आगे कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, "जो भी कार्रवाई की जाएगी, वह आयोग की रिपोर्ट के आधार पर होगी।" निशांत कुमार का समर्थन करते हुए बिजेंद्र यादव ने कहा कि मंत्री अपना काम कर रहे थे। उन्होंने कहा, "कार्रवाई की गई है और वह दिख भी रही है।"

क्या है पूरा मामला?

पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल जब वह पहुंचे थे तो रेडियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट का उद्घाटन करने उसके बाद वो एक कमरे में गए। यहां उन्हें मीटिंग करनी थी लेकिन उस समय में कोई अधिकारी नहीं आया। सबसे बड़ी बात यह हुई कि निशांत ने जब फोन पर प्रिंसिपल से बातचीत करने की कोशिश की तो प्रिंसिपल ने फोन तक नहीं उठाया। ऐसे में निशांत ने कहा कि इनके के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करूंगा।

'ये बात अकेले में बतानी चाहिए थी', फैन के प्यार के इजहार पर शाहरुख खान का मजेदार जवाब, वीडियो हुआ जमकर वायरल

हाल ही में मंगलुरु में हुए एक इवेंट के दौरान उनका एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद फैंस उनके ह्यूमर की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

मंगलुरु में इवेंट के दौरान एक महिला फैन ने शाहरुख से कहा कि वह उन्हें अपने पति से भी ज्यादा प्यार करती हैं। यह सुनते ही शाहरुख खान हंस पड़े और तुरंत मजाकिया अंदाज में बोले, 'ये सब बातें अकेले में बतानी चाहिए ना।' उनका यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग ठहाके लगाकर हंस पड़े।

हालांकि इसके बाद शाहरुख ने बहुत ही प्यार भरे अंदाज़ में बात को संभालते हुए कहा, 'मैं आपकी भावनाओं को समझता हूं, और मुझे यकीन है आपके पति भी समझते होंगे। मैं आप सबसे प्यार करता हूं... आपके पति से भी, आपके परिवार से भी।

धन्यवाद।'

इस इवेंट में शाहरुख खान ने अपने सुपरहिट गानों पर परफॉर्म भी किया और फैंस के साथ खूब बातचीत की। उन्होंने कन्नड़ में 'नमस्कारा' कहकर सभी का स्वागत किया और मंगलुरु के लोगों के प्यार के लिए आभार जताया।

शाहरुख ने यह भी बताया कि उनका मंगलुरु से खास कनेक्शन है, क्योंकि उन्होंने अपने बचपन के कुछ साल यहीं बिताए थे।

इस फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान

वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान भी साथ दिखेंगी, जो इस फिल्म से अपना थिएटर डेब्यू करेंगी।

फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अरशद वारसी, राघव जुयाल और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट बनी हुई है।

80–90 के दशक की सादगी पर फिदा हैं नीलम कोठारी, कहा– गोविंदा के साथ होता था मुकाबला ; याद किए पुराने दिन

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने पुराने दिनों को याद करते बताया कि उन्हें आज के मुकाबले पुराना दौर ज्यादा पसंद है। उन्होंने अपने यूट्यूब व्लॉग में उस समय की सादगी और खूबसूरती को याद करते हुए कई दिलचस्प बातें शेयर कीं।

नीलम ने कहा कि उस समय शूटिंग के दौरान आज जैसी सुविधाएं नहीं होती थीं। ना तो एसी होता था और ना ही वैनिटी वैन। उन्होंने बताया, 'हम सेट पर पहुंचते ही पसीने से तर हो जाते थे। मेकअप और हेयर में घंटों लगते थे, लेकिन फिर भी सब बिगड़ जाता था। फिर भी अगर मुझसे पूछा जाए कि मुझे कौन सा दौर पसंद है, तो मैं 80-90 का समय ही चुनूंगी, क्योंकि उसमें एक अलग सादगी और खूबसूरती थी।'

गोविंदा के साथ मजेदार 'कंपटीशन'

नीलम ने गोविंदा के साथ अपनी केमिस्ट्री को याद करते हुए बताया कि दोनों के बीच खासकर डांस में दोस्ताना मुकाबला होता था। उन्होंने कहा, 'जब हम साथ में गाने शूट करते थे, तो लगता था कि कौन बेहतर डांस करेगा। हमारी यही केमिस्ट्री और सिंक्रोनाइजेशन लोगों को बहुत पसंद आया।'

'आप के आ जाने से' बना सुपरहिट

'आप के आ जाने से' गाने का जिक्र करते हुए नीलम ने कहा कि यह उनके सबसे हिट गानों में से एक है। यह गाना 1987 की फिल्म खुदगर्ज में था, जिसे राकेश रोशन ने डायरेक्ट किया था। यह गाना आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है और उस दौर के सबसे आइकॉनिक डांस नंबर्स में गिना जाता है।

नीलम का फिल्मी सफर

जानकारी के लिए बता दें कि नीलम ने अपने करियर की शुरुआत 1984 में फिल्म 'जवानी' से की थी। इसके बाद उन्होंने 'लव 86', 'इल्जाम', 'हत्या', 'सिंदूर' और 'घराना' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।गोविंदा और नीलम की जोड़ी उस समय इतनी हिट थी कि फैंस को लगता था कि दोनों असल जिंदगी में भी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

खुशबू सुंदर की बेटी की शादी में शामिल हुईं तृषा, फैंस को खली विजय की कमी, जैकी श्रॉफ–अनिल कपूर ने भी की शिरकत

अभिनेत्री खुशबू सुंदर और फिल्ममेकर सुंदर सी की बड़ी बेटी अवंतिका की शादी गोवा के एक रिसॉर्ट में धूमधाम से हुई। इस शादी में चिरंजीवी, नागार्जुन अक्किनेनी, वेंकटेश, अमला अक्किनेनी और तृषा कृष्णन जैसे कई कलाकार मौजूद रहे। सभी पारंपरिक पहनावे में नजर आए। इस शादी में बॉलीवुड से अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार भी शामिल हुए थे।

खुशबू सुंदर की बेटी की शादी में कई सेलेब्स पहुंचे थे लेकिन सीएम विजय नहीं आए। जबकि खुशबू और उनके परिवार ने खुद जाकर विजय को शादी का न्यौता दिया था। विजय को शादी में नहीं आए लेकिन उनकी करीबी दोस्त तृषा जरूर शादी में शामिल हुईं।

एक वायरल वीडियो में तृषा को चिरंजीवी और उनकी पत्नी से बात करते हुए देखा गया। तृषा को देखकर फैंस ने सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिए। कुछ फैंस ने सवाल किया कि तृषा की साथ वाली सीट खाली क्यों है? इस तरह फैंस विजय की तरफ ही इशारा कर रहे थे।

जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर ने

पहनी वेष्टि और मुंडू

इस शादी में अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ भी दिखे। दोनों ने साउथ के चर्चित सेलेब्स के साथ फोटो क्लिक करवाए। साथ ही यह दोनों एक्टर्स दक्षिण भारतीय पारंपरिक परिधान वेष्टि और मुंडू पहने दिखे। फैंस ने एक्टर्स की इस बात को खूब सराहा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com